मंडला, भोपाल, कटनी, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

● वर्ष-1 अंक-170 ● इंदौर ● रविवार, 8 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक अमावस्या ● विक्रम संवत् 2083



श्रीराम का हुआ राज्याभिषेक

30 लाख दीपों से जगमगाए सरयू के घाट

अयोध्या, यशभारत। रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव का उल्लास चरम पर पहुंच गया। श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ ही राम की पैड़ी समेत सरयू नदी के सभी प्रमुख घाट 30 लाख दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। दीपों की अलौकिक छटा और जय श्रीराम के जयघोष से पूरी अयोध्या राममय हो गई। इस ऐतिहासिक उत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे। श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्ति के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए। घाटों पर जलते असंख्य दीपों ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।



दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान श्रीराम का विधि-विधान से राज्याभिषेक किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन का सिलसिला शुरू हुआ और देखते ही देखते राम की पैड़ी सहित सरयू के घाट दीपों की रोशनी से नहा उठे। घाटों पर दीपों की कतारें और सरयू के जल में उनका प्रतिबिंब आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। दीपोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई मंत्री और गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान लेजर शो और रंग-बिरंगी रोशनी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया।

इससे पहले साकेत महाविद्यालय से रामकथा पार्क तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रामायण के प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। लोकनृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भव्य बना दिया। कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष करते हुए आगे बढ़े। झांकियों में प्राचीन भारतीय संस्कृति, परंपराओं के साथ आधुनिक अयोध्या के विकास की झलक भी दिखाई दी। दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रंग-बिरंगी रोशनी और तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किए गए दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। लेजर शो के दौरान घाटों पर मौजूद लोगों ने इस भव्य आयोजन का आनंद लिया। दीपों की रोशनी, लेजर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अयोध्या के दीपोत्सव को यादगार बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान रामनगरी में उत्सव, आस्था और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रामकथा पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम और माता जानकी की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इसके बाद राम, सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों के साथ निकले रथ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रतीकात्मक रूप से खींचा। पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम भारत के संस्कार, राष्ट्र के प्राण और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। आज की अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रही है। उन्होंने कहा कि 14 वर्ष का वनवास पूरा कर जब भगवान श्रीराम माता जानकी और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे होंगे, तब पूरी नगरी इसी तरह दीपों और उत्सव से जगमगाई होगी।

मंदाकिनी में दीपदान कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की पूजा-अर्चना, गुप्त गोदावरी फोरलेन का भूमिपूजन



सतना, यशभारत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट पहुंचे। पांच दिवसीय दीपोत्सव मेले में शामिल होकर उन्होंने मंदाकिनी नदी के पंचवटी घाट पर दीपदान किया और मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चित्रकूट के संतों का शाल, श्रीफल और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया तथा उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक बनने वाली फोरलेन सड़क का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों का विकास केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं, बल्कि तीर्थाटन की भावना और श्रद्धालुओं की आस्था को केंद्र में रखकर कर रही है। उज्जैन में महाकाल लोक की तर्ज पर ओरछा में रामराजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि चित्रकूट भगवान श्रीराम की तपोभूमि है। प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास का 11 साल से अधिक समय यहां बिताया था। ऐसे पवित्र स्थल का विकास करना सरकार की प्राथमिकता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भगवान कामतानाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। प्राचीन मुखारबिंद के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को दीपावली की मिठाई वितरित कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनका सहज और आत्मीय अंदाज भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री सड़क किनारे लगी चाय की दुकान पर पहुंचे और कुल्हड़ में चाय पी। उन्होंने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। दीपदान के लिए दीपक बेच रहे बच्चों से भी मुलाकात की और उनसे दीपक खरीदकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, चित्रकूट विकास प्राधिकरण अध्यक्ष विजय यादव, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, 2013 के रेप केस में 10 साल सजा पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को 2013 के रेप केस में मिली 10 साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि यह सजा पर रोक लगाने के लिए सही मामला नहीं है। तेजपाल की ओर से कपिल सिब्बल ने दलील दी कि पूरा मामला झूठा है, जबकि गोवा सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सजा बढ़ाकर उम्रकैद करने की मांग की। 6 अगस्त 2026 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत का 2021 का बरी करने का फैसला पलटते हुए तेजपाल को रेप का दोषी ठहराया था और 10 साल की कठोर कैद सुनाई थी।आरोप था कि उन्होंने 2013 में गोवा में मैगजीन के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी जूनियर सहकर्मी के साथ रेप किया था।

राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बने

किताब में सोनिया गांधी का खुलासा, बोलीं- मनमोहन सिंह के साथ टीम बनाकर काम करने का अनुभव सकारात्मक रहा



नई दिल्ली, यशभारत। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के अपने चर्चित फैसले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उस समय उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बनें। अपनी आगामी पुस्तक %बिलॉन्गिंग ः ए जर्नी ऑफ लव% में सोनिया गांधी ने इस फैसले के पीछे की परिस्थितियों, परिवार की भूमिका और तत्कालीन राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से बात की है। 10 नवंबर को प्रकाशित होने वाली इस पुस्तक को लेकर सोनिया गांधी ने द हिंदू को दिए एक साक्षात्कार में अपने जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सवाल उनके मन में कभी नहीं आया। 2004 में डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के साथ उनका अनुभव सकारात्मक रहा। दोनों ने एक टीम के रूप में काम किया। मनमोहन सिंह सरकार का नेतृत्व कर रहे थे, जबकि वह कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। दोनों की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से अलग थीं। सोनिया ने कहा कि उन्होंने कभी यह कल्पना भी नहीं की कि यदि वह प्रधानमंत्री बनतीं तो सरकार की नीतियां और कांग्रेस की रणनीति किस तरह अलग होती। उनके मुताबिक, मनमोहन सिंह के साथ काम करने की व्यवस्था सफल रही और दोनों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। सोनिया गांधी ने अपनी किताब को व्यक्तिगत संस्मरण बताते हुए कहा कि इसमें राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी के साथ भारत और गांधी परिवार से जुड़ने का सफर भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राजीव से उनकी पहली मुलाकात के बाद धीरे-धीरे उन्हें उनके परिवार और भारत से लगाव हो गया। यही जुड़ाव आगे चलकर उन्हें सार्वजनिक जीवन और राजनीति में लेकर आया।

जवानों के साथ दिवाली मनाएंगे पीएम मोदी

देशवासियों को दी शुभकामनाएं



नई दिल्ली, यशभारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार भी वे देश के वीर जवानों के बीच दिवाली मनाएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बार जवानों के साथ त्योहार मनाने के लिए किस स्थान पर जाने की योजना बनाई है, इसका खुलासा नहीं किया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश जारी कर देशवासियों को बधाई दी।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरे देश को रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह त्योहार अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि सभी देशवासियों का त्योहार और आने वाला समय सुख, शांति एवं समृद्धि से भरा रहे। मोदी ने कहा कि वे भी हर साल बड़े उत्साह के साथ दीपावली मनाते हैं और देश के वीर जवानों के बीच पहुंचकर त्योहार मनाना उनका नियमित क्रम बन गया है।

इजराइल में आज तय होगा नया प्रधानमंत्री आइजनकोट को 67 सांसदों का समर्थन



तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में नए प्रधानमंत्री के नाम का ऐलान रविवार को राष्ट्रपति इसाक हर्जोग करेंगे। सरकार बनाने के लिए संसद में 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजनकोट के गठबंधन को छह राजनीतिक दलों के 67 सांसदों का समर्थन मिला है। वहीं मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पक्ष में केवल 46 सांसद बताए जा रहे हैं। ऐसे में आइजनकोट की सरकार बनाने की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि, समर्थन देने वाले दलों के बीच आपसी मतभेद उनकी राह में बड़ी बाधा बन सकते हैं।राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर सरकार गठन की संभावनाओं पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि सांसदों की राय पहली नजर में स्पष्ट दिखाई देती है, लेकिन अलग-अलग राजनीतिक दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं है। पार्टियों को एक-दूसरे से भी आपत्तियां हैं। ऐसे में केवल सांसदों की सिफारिशों के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि कौन सरकार बनाने में सक्षम होगा।

चीन सीमा के पास 13,629 फीट पर उतरा वायुसेना का गजराज

न्योमा एयरबेस पर भारी मालवाहक विमान की सफल लैंडिंग, दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड



नई दिल्ली। यशभारत। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर अपने विशाल मालवाहक विमान IL-76MD (गजराज) की सफल लैंडिंग कराकर सामरिक क्षमता का नया प्रदर्शन किया। समुद्र तल से 13,629 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस एयरबेस पर भारी मालवाहक विमान का उतरना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। न्योमा एयरबेस पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बेहद करीब स्थित है और चीन सीमा से इसकी दूरी महज 23 किलोमीटर है। इस लैंडिंग के साथ भारतीय वायुसेना ने ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में भारी सैन्य परिवहन की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। वायुसेना के मुताबिक, न्योमा दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। यहां से अब चीन सीमा के नजदीक तैनात सैनिकों तक भारी सैन्य उपकरण, वाहन, हथियार और जरूरी रसद पहुंचाने में मदद मिलेगी। रूस निर्मित चार इंजन वाला IL-76MD विमान करीब 40 से 50 टन तक का माल ले जाने में सक्षम है। इसे वायुसेना में गजराज के नाम से जाना जाता है। इसकी क्षमता के कारण जरूरत पड़ने पर बड़ी संख्या में सैनिकों के साथ टैंक, सैन्य वाहन, हथियार और अन्य जरूरी साजो-सामान भी पहुंचाया जा सकता है।न्योमा एयरबेस को नवंबर 2025 में अपग्रेड कर आधुनिक एयरफील्ड के रूप में विकसित किया गया था। तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने C-130J विमान से यहां उतरकर एयरबेस का उद्घाटन किया था।

सीबीएसई ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 16 फरवरी से परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अनुसार, दसवीं की परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी जारी कार्यक्रम के आधार पर अपनी तैयारी की योजना बना सकते हैं। बोर्ड की ओर से परीक्षा की तारीखें घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को विषयवार तैयारी और दोहराव के लिए समय निर्धारित करने में मदद मिलेगी। छात्र परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पढ़ाई की रणनीति बना सकते हैं और जिन विषयों में अधिक तैयारी की जरूरत है, उन पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में विषयवार परीक्षा तिथियों और समय का विवरण नहीं दिया गया है।

दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं

भगवान श्री राम के अयोध्या वापसी एवं महालक्ष्मी के पूजन के महापर्व दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की समस्त पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं शुभ चिंतकों को यशभारत परिवार की ओर से अनंत शुभकामनाएं। यह पर्व आपके लिए उजाला और उन्नति का प्रकाश लेकर आये।

-संपादक

अवकाश की सूचना

दीपावली के अवसर पर यशभारत कार्यालय में 9 एवं 10 नवम्बर को अवकाश रहेगा। अगला अंक 11 नवंबर प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

दुबई में मेडिकल खर्च और लंबी वेटिंग के बीच देवदूत बने भारतीय

भारतीय युवक गंभीर अस्वस्थता के चलते फंसा

दूतावास और प्रवासी भारतीयों की मदद से दिल्ली लाया गया

दुबई/दिल्ली, यशभारत। दुबई घूमने गए मध्य प्रदेश के ज्ञानेंद्र तिवारी को अचानक आई गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति के बाद भारतीय दूतावास और दुबई में सक्रिय प्रवासी भारतीय समुदाय के सहयोग से सुरक्षित भारत (दिल्ली) वापस लाया गया है।

ज्ञानेंद्र 13 अक्टूबर को टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। 15 अक्टूबर को डेजर्ट सफारी से लौटने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें अल ज़हरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ जांच में 90% ब्लॉकेज पाए जाने पर उनकी तत्काल एंजियोप्लास्टी की गई। कार्डियक अरेस्ट के कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी से उनकी स्थिति अत्यधिक नाजुक हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

मददगारों की पहल से आसान हुई स्वदेश वापसी

परिजन मरीज को जल्द से जल्द भारत लाकर इलाज कराना चाहते थे, लेकिन एयरलाइंस से उन्हें 14 नवंबर की स्ट्रेचर टिकट मिल रही थी। अस्पताल का भारी दैनिक खर्च देखते हुए 14 तारीख तक दुबई में रुककर इलाज जारी रखना परिजनों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो चुका था। इस संकट की घड़ी में सबसे पहले इंदौर ग्रुप IIBM के मेंबर्स अंजू भाटिया ने पहल करते हुए इस मामले में मदद की शुरुआत की। इसके साथ ही कांसुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया (दुबई) का मदद सेक्शन, दुबई निवासी चंद्रशेखर भाटिया, सामाजिक सेवा में सक्रिय उमा शंकरी कृष्णमूर्ति और 'ह्यूमन केयर वर्ल्डवाइड' की टीम भी आगे आई। इन सभी के विशेष प्रयासों और साझा समन्वय से 04 नवंबर की एमीरेट्स एयरलाइंस की टिकट व स्ट्रेचर की व्यवस्था हुई, जिससे ज्ञानेंद्र को 04 नवंबर की रात दुबई से रवाना कर 05 नवंबर की तड़के सुरक्षित दिल्ली लाया गया। अनूपपुर निवासी देवेंद्र कुमार तिवारी के परिजनों ने इस सहयोग के लिए भारतीय दूतावास और पूरे प्रवासी समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

टूरिस्ट इंश्योरेंस की उपयोगिता व भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

विदेश जाने वाले प्रत्येक यात्री के लिए 'टूरिस्ट इंश्योरेंस' एक ढाल की तरह काम करता है। अल ज़हरा अस्पताल में प्रतिदिन का खर्च लगभग 12,000 दिरहम (करीब 2.7 लाख रुपये) था। ज्ञानेंद्र तिवारी के पास 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) का मेडिकल बीमा कवरेज एक्टिव था, जिससे अस्पताल में शुरुआती और आवश्यक इलाज का भारी-भरकम भुगतान संभव हो सका। हाल ही में भारतीय दूतावास (अबू धाबी) और कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया (दुबई) ने भी श्व जाने वाले और वहाँ रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं, जिसमें कैशलेस सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी अनहोनी या चिकित्सीय आपात स्थिति में भारत वापस लाने का खर्च भी कवर शामिल हो। यह घटना सबक देती है कि विदेश यात्रा के दौरान पर्याप्त मेडिकल बीमा जरूर कराएं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की चार रन से जीत में बने कई नए कीर्तिमान



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे मुकाबले में डकवर्थ लुइस नियम के तहत 4 रन से हराकर सीरीज में अहम जीत दर्ज की। वेलिंगटन में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने व्यक्तिगत उपलब्धियों से इतिहास रच दिया। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वहीं रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़कर न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया।

मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर चार विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 ओवर में महज 134 रन पर सिमट गई। यह घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे कम वनडे स्कोर है। इससे पहले 1994 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड की टीम 142 रन पर ऑलआउट हुई थी। विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,978 रन दर्ज हो चुके हैं, जबकि रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1,971 रन बनाए थे। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 1,750 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने इस उपलब्धि के साथ एक और बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि अपने नाम कर ली। रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में छक्कों का नया रिकॉर्ड बनाया। मुकाबले में दो छक्के लगाने के साथ उनके कुल छक्कों की संख्या 51 हो गई। इससे पहले पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 छक्के लगाए थे। रोहित अब इस सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को झकझोरते हुए चार विकेट चटकाए। उन्होंने सात ओवर में 30 रन देकर चार विकेट लिए। न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय तेज गेंदबाज का यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस मामले में जवागल श्रीनाथ पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 2003 में ऑकलैंड में 23 रन देकर चार विकेट हासिल किए थे। बारिश के कारण मुकाबला निर्धारित समय से एक घंटे की देरी से शुरू हुआ और दोनों पारियों को 47-47 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड की पारी 41 ओवर में 134 रन पर समाप्त हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने खेल रोक दिया। डकवर्थ लुइस नियम से भारत को चार रन से विजेता घोषित किया गया।

एम्स भोपाल की सख्त चेतावनी सर्दियों की मामूली सर्दी-खांसी को न करें नजरअंदाज, फेफड़ों पर पड़ सकता है भारी

भोपाल, यश भारत।

सर्दियों के आते ही शहर में वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और गले के संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। इसे केवल सामान्य मौसम बदलाव मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। एम्स भोपाल ने सर्दियों के मौसम को लेकर एक चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि यह लापरवाही फेफड़ों के गंभीर संक्रमण, वायरल निमोनिया और सांस की भारी तकलीफ में बदल सकती है। अस्पताल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते सतर्कता बरतें और टीकाकरण व सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दें।

बंद कमरों और कम हवा-आवाजाही से बढ़ता है खतरा

विशेषज्ञों के मुताबिक, तापमान गिरने और नमी में बदलाव होने से सांस के वायरस को फैलने के लिए अनुकूल माहौल मिल जाता है। ठंड बढ़ने पर लोग अधिकांश समय खिड़की-दरवाजे बंद कर ऐसी जगहों पर गुजारते हैं जहां वेंटिलेशन कम होती है। इससे हवा के जरिए इन्फ्लूएंजा और अन्य खतरनाक वायरस एक से दूसरे व्यक्ति तक तेजी से पहुंचते हैं। अचानक तेज



बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द, बदन दर्द, गले में खराश और अत्यधिक थकान इसके शुरुआती लक्षण हैं।

इन मरीजों को बरतनी होगी विशेष सावधानी–बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धूम्रपान करने वालों के लिए यह मौसम विशेष रूप से संवेदनशील है। इसके अलावा, जो लोग पहले से दमा सीओपीडी , मधुमेह, हृदय रोग से पीड़ित हैं या जिनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) कमजोर है, उन्हें जरा सी भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। इन मरीजों में सामान्य दिखने वाला वायरल संक्रमण भी पुरानी बीमारी को बिगाड़ सकता है।

टीकाकरण और एंटीबायोटिक को लेकर जरूरी सलाह–चिकित्सकों का कहना है कि इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए हर साल टीका लगवाना सबसे असरदार उपाय है। उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए डॉक्टर की सलाह से निमोनिया का टीका लगवाने पर भी विचार करना चाहिए। इसके साथ ही सबसे अहम बात यह है कि एंटीबायोटिक दवाएं वायरल संक्रमण पर असर नहीं करतीं। इन्हें अपनी मर्जी से मेडिकल स्टोर से लेकर बिल्कुल न खाएं। एंटीबायोटिक तभी ली जानी चाहिए जब बैक्टीरिया से दूसरा संक्रमण होने की पुष्टि या आशंका हो।

इन गंभीर लक्षणों पर तुरंत दिखाएं डॉक्टर–यदि मरीज को लगातार तेज बुखार बना रहे, सांस फूलने की गति बढ़ती जाए, सीने में दर्द हो, मरीज भ्रम की स्थिति में नजर आए या होंठ नीले पड़ने लगें, तो बिना देर किए अस्पताल पहुंचे। फेफड़ों की पुरानी बीमारी से जूझ रहे मरीजों को जरा भी लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लेना चाहिए। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनकर, नियमित हाथ धोकर और धूम्रपान से दूर रहकर इस खतरे को काफी हद तक टाला जा सकता है।



सुशीला हायर सेकेंडरी स्कूल, बागेर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई दीपावली

आष्टा, यश भारत।

स्थानीय सुशीला हायर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली के पावन पर्व पर विविध रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगोली, फैंसी ड्रेस तथा झरोखा एवं दीपक सजाओ प्रतियोगिताओं से हुई। छात्राओं ने भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाते हुए सुंदर साड़ियां पहनीं। वहीं, मनमोहक रंगोलियों के जरिए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, नशा मुक्ति और आत्मरक्षा जैसे प्रेरणादायक सामाजिक संदेश दिए। विद्यार्थियों द्वारा सजाए गए दीये और थालियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनकी सभी ने खुलकर प्रशंसा की।

ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य

विद्यालय प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण और बौद्धिक विकास करना है। इस तरह की सहगामी गतिविधियों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास मजबूत होता है और उन्हें अपनी कला व प्रतिभा दिखाने का खुला मंच मिलता है। पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक आयोजनों से बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों, सामाजिक जागरूकता और भाईचारे की भावना का विकास होता है। प्राचार्य रानू परमार ने कहा कि दीपावली खुशियों और प्रकाश का पर्व है, जिसे हमें आपसी प्रेम, भाईचारे और सुरक्षा के साथ मनाना चाहिए। त्योहार की उमंग में सुरक्षा का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। बच्चे आतिशबाजी करते समय विशेष सावधानी बरतें, छोटों की देखरेख करें और केवल फुलझड़ियां या चकरी जैसे छोटे पटाखे ही जलाएं। आप सभी का जीवन इसी दीपोत्सव की तरह सदा जगमगाता रहे। '

पुलिस मुख्यालय में नवनियुक्त एसपी बालाघाट मलय जैन का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित

डीजीपी कैलाश मकवाणा बोले- सुनें सबकी, करें वही जो सही हो

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साझा किए कार्य-अनुभव, उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना

भोपाल, यश भारत।

पुलिस मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं एसओ टू डीजीपी मलय जैन को पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के पद पर नई जिम्मेदारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय में एक विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने श्री जैन को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा बालाघाट में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि दिसंबर 2024 में स्टाफ ऑफिसर के रूप में मलय जैन का चयन करते समय उनके ईमानदार, कर्मठ एवं विवादरहित कार्य व्यवहार को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने स्टाफ ऑफिसर के रूप में जनसुनवाई के आवेदनों की नियमित निगरानी, ट्रैकिंग तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया।

नक्सली समस्या और बालाघाट की



चुनौतियां

डीजीपी श्री मकवाणा ने अपने पूर्व के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि बालाघाट जिला पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। लगभग 32 वर्ष पूर्व वहां संचार सुविधाओं के अभाव, घने जंगलों में लंबी पैदल गश्त तथा बारूदी सुरंगों जैसे गंभीर खतरों के बीच पुलिस बल को कार्य करना पड़ता था। उस दौर में पुलिसकर्मियों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के सतत प्रयासों से आज बालाघाट में नक्सली समस्या समाप्त हुई है। ऐसे में जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में पुलिस बल का मनोबल बनाए रखना, सतर्कता कायम रखना और उपलब्धियों को निरंतर बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

सुनें सबकी, करें वही जो सही हो–नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मलय जैन को मार्गदर्शन देते हुए डीजीपी मकवाणा ने मूलमंत्र दिया कि सुनें सबकी, करें वही जो सही हो। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी को सभी पक्षों की बात धैर्यपूर्वक सुननी चाहिए और तथ्यों एवं नियमों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए। किसी भी अनुचित दबाव में आए बिना दृढ़ता से सही निर्णय लेना तथा अपनी संवेदनशीलता और सहजता बनाए रखना ही अच्छे पुलिस अधिकारी की पहचान है।

विभिन्न अभियानों और जिम्मेदारियों में रहा अहम योगदान

समारोह के दौरान पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री मलय जैन के साथ कार्य करने के अपने संस्मरण साझा किए।



सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने देश मे कांग्रेस द्वारा फैलाये जा रहे झूठ से अवगत करा कर कांग्रेस की खोली पोल

आष्टा, यश भारत। आज लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत देवास शाजापुर संसदीय क्षेत्र के सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के साथ नगर के प्रबुद्धजनो,व्यापारियों,बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य नागरिकों के निवास पर पहुच कर उनके परिजनों से संवाद किया एवं आज देश मे कांग्रेस,सपा, आप सहित अन्य दल जिस तरह झूठ का पहाड़ खड़ा कर देश मे जो अराजकता का,झूठ का माहौल पैदा कर रहे है,जिसके पीछे उनका एक ही उद्देश्य है,देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छबि को किस तरह खराब की जाये, कैसे भी हो पीएम की कुर्सी मिल जाये । लेकिन आज देश की जनता कांग्रेस के झूठ को जान चुकी है,उसे पहचान चुकी है । सांसद सोलंकी ने आज संजय किराना स्टोर्स के संजय सिंगी,शिक्षक सुदीप जायसवाल,उद्योगपति मनोज जैन सहित अनेकों प्रबुध्दजन के निवास पर पहुच कर परिजनों से संवाद किया और कांग्रेस की जो इन सब के पीछे गंदी सोच है,उद्देश्य है उनसे तथ्यों के साथ अवगत कराया । सांसद श्री सोलंकी ने इस अवसर पर भाजपा संगठन की विचारधारा, संगठन द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं अभियानों, सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा समसामयिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर जानकारी दी एवं सकारात्मक संवाद के माध्यम से संवाद एवं विचार-विमर्श किया । इस दौरान रायसिंह मेवाडा,महेंद्रसिंह ठाकुर,सुशील संचेती,उमेश शर्मा, तारा कटारिया,अंजली चौरसिया, अवनीश पिपलौदीया,धर्मेन्द्र ठाकुर,देवजी पटेल, राजीव मालवीय, शिव प्रजापति, राजेश घेंघट, भगवत मेवाडा सहित भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



महानगर बैंक में धन की देवी की पूजा, समृद्धि की कामना

हिरदाराम नगर

महानागरिक सहकारी बैंक, संत हिरदाराम नगर में धनतेरस पर पूजन का आयोजन किया गया। बैंक अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष (मध्य प्रदेश आवास संघ, राज्यमंत्री दर्जा) सुशील वासवानी ने बैंक में माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर ईश्वर से प्रार्थना की और कहा कि बैंक के समस्त ग्राहक एवं अंशधारक सदस्य संपन्न रहें तथा अपने व्यवसाय में निरंतर प्रगतिशील हों। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक पिछले 30 वर्षों से प्रतिवर्ष अपने ग्राहकों के लिए लक्ष्मी पूजन कर उनकी समृद्धि की मनोकामना करता है। इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी, राजेश हिंगोरानी, नरेश वासवानी, नरेंद्र लालवानी, ईश्वर चेलाणी सहित बैंक के तमाम स्टाफ सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं ग्राहक उपस्थित रहे।

एसआईआरटी को हराकर एलएनसीटी की महिला टीम लगातार दूसरी बार बनी चैंपियन

आरजीपीवी नोडल वॉलीबॉल प्रतियोगिता

भोपाल, यश भारत।

जेएनसीटी भोपाल द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित आरजीपीवी नोडल वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता 2026-27 में एलएनसीटी की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। टीम ने गत वर्ष के अपने दबदबे को कायम रखते हुए लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में एलएनसीटी ने ओरिएंटल कॉलेज को एकतरफा अंदाज में 25-13 और 25-15 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में



उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए एलएनसीटी की खिलाड़ियों ने एसआईआरटी की टीम को सीधे सेटों में 25-10 और 25-13 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम में आशी राठौड़, अनुष्का यादव, मानवी यादव, समृद्धि पंवार, भूमि मोटवानी, आशिका गौर, नितिशा छुगानी, प्रज्ञा बाथम, निधि पटवा, रिया सिंह, उदिता सिंह, रेखा पौडेल, श्रेया सिंह राजपूत एवं लक्ष्मी सिंह परिहार शामिल रहीं। टीम के कोच महेश सोधिया के कुशल मार्गदर्शन और रणनीतिक प्रशिक्षण की बदौलत खिलाड़ियों ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

एलएनसीटी की इस गौरवपूर्ण सफलता पर जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति व एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे, एलएनसीटी के डायरेक्टर डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. अशोक राय, प्राचार्य डॉ. बी.के. साहू एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर पंकज कुमार जैन ने विजेता टीम और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री गुरुकृपा सेवा समिति ने 200 परिवारों को मिठाई वितरित की

हिरदाराम नगर।

श्रीं गुरुकृपा सेवा समिति द्वारा दीपावली पर 200 रिब परिवारों को मिठाई वितरित की गई। पार्षद अशोक मारण पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव राजकुमार वाधवानी कपडा एसोशिएशन के महासचिव दिनेश वाधवानी समाजसेवी राज़ मनवानी श्रीं गुरुकृपा सेवा समिति समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी पूज्य सिंधी पंचायत के कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी समिति की उपाध्यक्ष भावना उदासी , मुकेश आहुजा मुकेश उदासी सुमित पंजवानी , प्रकाश विधानी, रवि आसुदानी, कैलाश फुलवानी, लखमीचंद बतरा, महेश जागवानी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कार्यक्रम की



अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हमारा सदैव यही प्रयास रहता है कि त्योहारों के समय हर किसी के चहेरे पर एक मुस्कान हो चाहे वह अमिर हो या गरिब आज हमें इस प्रकार की सेवा कार्य करते हुए यह सातवां वर्ष है इस अवसर पर पार्षद अशोक मारण ने कहा की आज नगर में पैसों वालों की कमी नहीं है पर सेवा का भाव नहीं है इसलिए सभी इस प्रकार की सेवा कार्य करते रहना चाहिए यहां पर उपस्थित पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव राजकुमार वाधवानी एवं कपडा एसोशिएशन के महासचिव दिनेश वाधवानी ने समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि हमें इस प्रकार सेवा करने का मौका मिला है यहां पर कार्यक्रम का संचालन पूज्य सिंधी पंचायत के कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी ने किया तथा आभार भावना उदासी ने वक्त किया।



33 केवी बिजली पोल से टकराया बिजली विभाग का वाहन, अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त

बनखेड़ी, यशभारत। उमरधा रोड स्थित ग्राम महंगवा में नर्मदा मैरिज गार्डन के पास बीती रात करीब 11:30 बजे बिजली विभाग का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन अनियंत्रित होकर 33 केवी बिजली लाइन के पोल से जा टकराया। हादसे में विभाग में किराए से लगे बुलेरो लोडिंग वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि होने की सूचना नहीं है। देर रात हुए इस हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।



सार्थक दीपावली - बेटियों के चेहरे पर मुस्कान, हर घर में खुशियों का उजाला

सेवा बस्ती की बेटियों के साथ मनाई दीपावली

हिरदाराम नगर।

दीपावली एवं धनतेरस पर बेटियों के सम्मान और उनके जीवन में खुशियों का उजाला लाने के संकल्प के साथ 'लक्ष्मी का वरदान है बेटी, धरती पर भगवान है बेटी' संदेश के तहत सेवा बस्ती की नन्हीं बेटियों के बीच दीपावली का पर्व मनाया गया। सेवा बस्ती की बच्चियों को पटाखे, मिठाइयां एवं मिष्ठान वितरित किए गए। इस अवसर पर राकेश कुकरेजा ने कहा कि बेटियां किसी परिवार की खुशियां ही नहीं, बल्कि समाज की शक्ति और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य हैं। जिस घर में बेटी की मुस्कान गूंजती है, वहां खुशियों के दीपक हमेशा रोशन रहते हैं। बेटियों को सम्मान, स्नेह, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर देना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक आनंद तभी सार्थक होता है, जब हमारी खुशियों में समाज का हर वर्ग शामिल हो और किसी भी बेटी के चेहरे पर मुस्कान लाने का अवसर हमसे न छूटे। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को बेटियों के सम्मान, स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में राजा शर्मा, भगवानदास ढालिया, राजकुमारी डागोर, सुकांति ठकुरिया, लक्ष्मी महाजन, गोवर्धन अहिरवार, जितेन्द्र डागोर, चंदू यादव, अंकित वर्मा, दुर्गेश सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।

बाल निकेतन में जागरूक बचपन, सशक्त भारत' विधिक जागरूकता कार्यक्रम

हिरदाराम नगर.

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाल निकेतन संस्था में सुरक्षित बचपन अभियान में जागरूक बचपन, सशक्त भारत विषय पर एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा और विधिक संरक्षण से जुड़े कानूनों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायाधीश एवं सचिव हिमांशु कौशल ने बच्चों को



संविधान के अनुच्छेद 21-क और 39-क के तहत सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और भयमुक्त जीवन जीने के अधिकार के बारे में बताया तथा किसी भी शोषण या हिंसा की स्थिति में बिना डरे अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल दीपेश ठाकुर ने पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और शिक्षा का अधिकार अधिनियम की जानकारी देते हुए अच्छे-बुरे स्पर्श और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं को सरल भाषा में समझाया।

राजकुमार थवानी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी और बताया कि धारा 12 के तहत सभी बच्चे इसके पात्र हैं, साथ ही उन्होंने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया। आवाज संस्था के कोऑर्डिनेटर नितिन व्यास ने बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति आगाह करते हुए साइबर हेल्पलाइन 1930 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी।

इस अवसर पर बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध, स्लोगन और क्विज जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रमुख हरिओम शर्मा ने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया। यह अनूठी पहल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और एक सुरक्षित व सशक्त बचपन के निर्माण की दिशा में बेहद सार्थक साबित हुई।

छठ पर गांव जाने के लिए एलटीटी पर उमड़ा जनसैलाब

गोरखपुर-पटना के लिए विशेष ट्रेनें शुरू, भीड़ संभालने को आरपीएफ-जीआरपी तैनात

मुंबई, यशभारत। दिवाली और छठ पूजा पर घर लौटने की चाह में मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) स्टेशन पर यात्रियों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा है। शुक्रवार रात से ही स्टेशन पर हजारों यात्रियों की भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिलीं। उत्तर भारत और बिहार जाने वाली ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।



भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म पर जाने देने के बजाय स्टेशन परिसर के बाहर बनाए गए प्रतीक्षालयों में रोका जा रहा है। वहां से चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर प्रवेश दिया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों से भी निगरानी की जा रही है।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने गोरखपुर, छपरा, पटना, दरभंगा और हावड़ा सहित प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इससे प्रतीक्षा सूची में फंसे यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। सीएसएमटी, बांद्रा, दादर और कल्याण स्टेशनों पर भी सुरक्षा और यात्री सुविधाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। रेलवे ने यात्रियों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

लॉरेंस गैंग का गुर्गा हैरी बॉक्सर अमेरिका में गिरफ्तार

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की जिम्मेदारी लेकर बॉलीवुड को दी थी धमकी

जय सिंह, यशभारत। बॉलीवुड में दहशत फैलाने और फिल्मी हस्तियों को धमकाने वाले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के करीबी गैंगस्टर हैरी बॉक्सर उर्फ हरि बॉक्सर को अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने की खबर है। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, वह राज्य का मोस्ट वांटेड अपराधी है। उसकी गिरफ्तारी को गिरोह के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।



हैरी बॉक्सर 1 फरवरी, 2026 को फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी के बाद चर्चा में आया था। इस हमले की जिम्मेदारी उसने शुभम लोनकर, आरजू बिश्नोई और हरमन संधू के साथ लेने का दावा किया था। इसके बाद जारी ऑडियो संदेश में रोहित शेट्टी समेत बॉलीवुड की अन्य हस्तियों को धमकी दी गई थी। उनके कर्मचारियों और प्रबंधकों को भी निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी।

हैरी पर हत्या, हत्या के प्रयास, हथियारों से हमले और रंगदारी वसूली जैसे गंभीर मामले दर्ज बताए जाते हैं। वह लंबे समय से भारत से फरार था। उसकी गिरफ्तारी से गिरोह के विदेशी नेटवर्क और बॉलीवुड को मिल रही धमकियों की जांच में अहम खुलासे होने की उम्मीद है। हालांकि, भारत प्रत्यर्पण को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

मुंबई एयरपोर्ट से 14 विदेशी उड़ानों की छुट्टी

स्लॉट कटौती पर विदेशी एयरलाइंस ने केंद्र से मांगा जवाब

मुंबई, यशभारत। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की उड़ानें अस्थायी रूप से हटाने के अडानी समूह के प्रस्ताव को लेकर विवाद गहरा गया है। विदेशी विमानन कंपनियों ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय से इस फैसले पर स्पष्टीकरण मांगा है।



मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने मार्च 2027 के अंत से शुरू होने वाली ग्रीष्मकालीन उड़ान समय-सारणी में हवाई अड्डे की क्षमता सालाना 50 लाख यात्रियों तक घटाने का प्रस्ताव रखा है। इसके चलते 11 खाड़ी देशों की विमानन कंपनियों को उनके पुराने उड़ान समय और स्लॉट देने से इनकार किया गया है।

प्रभावित कंपनियों में गल्फ एयर, रियाद एयर, एयर अरेबिया, कुवैत एयरवेज, ओमान एयर, सऊदिया, कतर एयरवेज, जजीरा एयरवेज, सलाम एयर और फ्लाइनास सहित 11 विमानन कंपनियां शामिल हैं। एयरलाइंस की समिति ने मंत्रालय के सचिव समीर सिन्हा को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। समिति का कहना है कि बिना उचित परामर्श के ऐसा निर्णय लेना विमानन कंपनियों के स्थापित परिचालन अधिकारों को प्रभावित करेगा।

एसआरए से छीने जाएं विशेष नियोजन के अधिकार

बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र 300 से अधिक प्रस्ताव लंबित होने पर उठाए सवाल



मुंबई, यशभारत। मुंबई महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े ने झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) के विशेष नियोजन प्राधिकरण (एसपीए) का दर्जा समाप्त कर उसके अधिकार फिर से बीएमसी को सौंपने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि एसआरए विकास नियंत्रण नियमावली के नियम 33(11) का दुरुपयोग कर झोपड़पट्टी रहित खाली भूखंडों पर भी विकासकों को अनुचित रियायतें दे रहा है। जबकि ये छूट केवल वास्तविक झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजनाओं के लिए लागू होनी चाहिए।

आयुक्त के अनुसार, झोपड़पट्टी रहित जमीनों से जुड़े 300 से अधिक विकास प्रस्ताव एसआरए के पास लंबित हैं। इससे बीएमसी के नगर नियोजन विभाग को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। पत्र में चुनिंदा विकासकों को लाभ पहुंचाने और एक क्षेत्र की पुनर्विकास योजना के बदले दूरस्थ इलाके में मकान उपलब्ध कराने पर भी आपत्ति जताई गई है।

भिड़े ने नियम 33(11) के तहत आने वाली सभी योजनाओं का नियोजन और नियंत्रण बीएमसी को सौंपने की मांग की है। इस पत्र से मुंबई के पुनर्विकास को लेकर प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

रक्षा मंत्रालय की रोक से बिल्डरों को झटका

मालाड-कांदिवली के 120 से ज्यादा प्रोजेक्ट पर संकट हजारों घर खरीदारों की बढ़ी चिंता

मुंबई, यशभारत। मुंबई में रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास चल रही भवन निर्माण परियोजनाओं को लेकर रक्षा मंत्रालय के नए निर्देश से निर्माण क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। मंत्रालय के आदेश के कारण कई निर्माण परियोजनाओं का काम रुकने की आशंका है। इससे संबंधित भवन निर्माताओं और घर खरीदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।



मुंबई के मालाड-कांदिवली क्षेत्र में इस फैसले का सबसे अधिक असर पड़ने की आशंका है। यहां 120 से अधिक परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं, जबकि कम से कम 50 अन्य परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय सैन्य प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लिए बिना निर्माण कार्य जारी नहीं रखा जा सकता। बीएमसी या अन्य सरकारी विभागों की मंजूरी मिलने के बावजूद यह नियम लागू होगा।

राज्य के नगर विकास विभाग ने बुधवार को बीएमसी आयुक्त को पत्र लिखकर आदेश का तत्काल पालन करने को कहा है। मंत्रालय ने सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को इसका प्रमुख कारण बताया है।

इस फैसले से उन हजारों परिवारों की चिंता बढ़ गई है, जिन्होंने इन परियोजनाओं में घर बुक किए हैं। वर्ष 2023 में नौसेना प्रतिष्ठानों के आसपास निर्माण की प्रतिबंधित सीमा 500 मीटर से घटाकर 50 मीटर करने की घोषणा हुई थी, लेकिन बाद में इस राहत को स्थगित कर दिया गया। इससे पुनर्विकास और नए निर्माण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

टिकट जांच से पश्चिम रेलवे की रिकॉर्ड कमाई

एक दिन में वसूले 80.38 लाख रुपए, छह दिनों में 3.28 करोड़ का राजस्व

मुंबई, यशभारत। दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ के बीच पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने टिकट जांच से कमाई का नया रिकॉर्ड बनाया है। मंडल ने 6 नवंबर, 2026 को एक ही दिन में 80.38 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह अब तक की सर्वाधिक दैनिक टिकट जांच आय है।



इससे पहले 30 अप्रैल, 2026 को एक दिन में 68.54 लाख रुपये की कमाई का रिकॉर्ड बना था। नए आंकड़े में 11.84 लाख रुपये यानी 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, पिछले वर्ष दीपावली-छठ के दौरान 19 अक्टूबर को हुई 55.40 लाख रुपये की कमाई के मुकाबले इस बार का राजस्व 45.1 प्रतिशत अधिक रहा।

यह उपलब्धि 31 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष टिकट जांच अभियान 'ऑपरेशन दीप' के तहत हासिल हुई है। अभियान का उद्देश्य बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों पर कार्रवाई कर रेलवे के राजस्व की सुरक्षा करना है। त्योहारों में बढ़ी भीड़ को देखते हुए टिकट जांच कर्मचारियों का प्रभावी उपयोग भी किया जा रहा है। मुंबई सेंट्रल मंडल ने 1 से 6 नवंबर के बीच कुल 3.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, अभियान के जरिए टिकट जांच व्यवस्था को मजबूत करने और राजस्व संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुंबई की बदलती जनसांख्यिकी पर सोमैया ने जताई चिंता

हिंदू-मुस्लिम बच्चों के जन्म अनुपात 3:2 होने का दावा, विशेष समिति बनाने की मांग

मुंबई, यशभारत। भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मुंबई की बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से विशेष समिति गठित करने की मांग की है। सोमैया ने दावा किया है कि मुंबई में हिंदू और मुस्लिम बच्चों के जन्म का अनुपात 3:2 है। उन्होंने इसे शहर की जनसंख्या संरचना में संभावित बदलाव से जोड़ते हुए जांच की आवश्यकता बताई है।



सोमैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर वर्ष 2025 के जन्म संबंधी आंकड़े साझा किए। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में मुंबई में 70,380 हिंदू और 48,554 मुस्लिम बच्चों का जन्म हुआ। वहीं, पिछले पांच वर्षों में 3,36,625 हिंदू और 2,20,754 मुस्लिम बच्चों का जन्म होने का दावा उन्होंने किया है।

इन आंकड़ों के आधार पर सोमैया ने हिंदू और मुस्लिम बच्चों के जन्म का अनुपात 3:2 बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुंबई की जनसांख्यिकीय स्थिति का अध्ययन करने और भविष्य की नीतियां तय करने के लिए विशेष समिति बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को भी अपने संदेश में शामिल किया।

हालांकि, सोमैया की ओर से साझा किए गए इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री या भाजपा की ओर से भी इस मांग पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सूखाग्रस्त तालुकों में खुलेगा मुख्यमंत्री सहायता कक्ष

आर्थिक तंगी से इलाज नहीं रुकेगा, जरूरतमंद मरीजों को मिलेगी तत्काल मदद

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में सूखे की गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष का विस्तार तालुका स्तर तक किया जाएगा। शुरुआत खरीफ सीजन 2026 में ट्रिगर-1 के तहत सूखाग्रस्त घोषित सभी तालुकों से होगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने 6 नवंबर, 2026 को शासनादेश जारी किया है।



नया सहायता कक्ष संबंधित पंचायत समिति कार्यालय में स्थापित होगा। जिलाधिकारी यहां स्वतंत्र चिकित्सा अधिकारी को कक्ष प्रमुख नियुक्त करेंगे। उनकी सहायता के लिए लिपिक और टंकलेखक भी उपलब्ध रहेंगे।

मरीजों को पहले आयुष्मान भारत, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना, श्रमिक विभाग की योजनाओं और धर्मार्थ अस्पतालों के माध्यम से उपचार दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इन योजनाओं के लिए अपात्र मरीजों के आवेदन मुख्यमंत्री सहायता निधि से आर्थिक मदद के लिए ऑनलाइन भेजे जाएंगे।

इस व्यवस्था के संचालन के लिए तालुका स्तर पर स्थानीय विधायक की अध्यक्षता में समिति बनेगी, जबकि जिलास्तरीय समिति के अध्यक्ष पालकमंत्री होंगे। दोनों समितियों की महीने में कम से कम दो बैठकें अनिवार्य होंगी।

दुष्काल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर, चलित चिकित्सा दल और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा मधुमेह और रक्तचाप के मरीजों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य आर्थिक तंगी के कारण किसी भी जरूरतमंद मरीज को उपचार से वंचित न रहने देना है।

मुश्रीफ को राहत मिलते ही भाजपा की वॉशिंग मशीन पर सवाल

कांग्रेस का हमला, 2,700 पन्नों की शिकायत करने वाले सोमैया की चुप्पी पर सावंत ने उठाए सवाल

मुंबई, यशभारत। एनसीपी नेता व मंत्री हसन मुश्रीफ और उनके परिवार के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही कार्रवाई बंद करने की मांग खुद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत से की है। इससे मुश्रीफ परिवार को बड़ी राहत मिली है। कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने इस घटनाक्रम को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

सावंत ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को बदनाम करने, राजनीतिक प्रताड़ना देने और सत्ता के सामने झुकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुश्रीफ के महायुति में शामिल होते ही भाजपा की वॉशिंग मशीन शुरू हो गई और उन पर लगाए गए गंभीर आरोप अचानक कमजोर पड़ गए। उन्होंने भाजपा नेता किरीट सोमैया पर भी निशाना साधते हुए सवाल किया कि मुश्रीफ के खिलाफ 2,700 पन्नों की शिकायत ईडी और आयकर विभाग को सौंपने वाले सोमैया अब चुप क्यों हैं?

सावंत ने आरोप लगाया कि विपक्ष में रहने पर नेताओं के खिलाफ तेजी से कार्रवाई होती है, लेकिन सत्ता पक्ष में शामिल होते ही जांच की रफ्तार धीमी पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि जनता के कर से चलने वाली जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक बदले के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ होना चाहिए।

सरकारी कार्यक्रम में सांसद देवरा की अनदेखी

निमंत्रण नहीं मिलने पर आयुक्त को लिखा पत्र प्रोटोकॉल पालन की मांग

मुंबई, यशभारत। मुंबई महानगरपालिका के सरकारी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किए जाने पर शिवसेना सांसद मिलिंद देवरा ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोलाबा में सफाई कर्मचारियों के लिए चलाई जा रही आश्रय योजना के लाभार्थियों को घरों की चाबियां सौंपने के कार्यक्रम में उन्हें निमंत्रण नहीं दिया गया। इस मामले में देवरा ने महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में लाभार्थियों को घरों की चाबियां सौंपी गईं। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, महापौर रितू तावड़े, उपमहापौर संजय घाड़ी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। हालांकि, दक्षिण मुंबई से दो बार लोकसभा सांसद रह चुके और वर्तमान राज्यसभा सांसद मिलिंद देवरा को आमंत्रित नहीं किया गया।

देवरा ने अपने पत्र में कहा कि विकास कार्यों से जुड़े सरकारी कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का उचित सम्मान होना चाहिए। उन्होंने भविष्य में महानगरपालिका के कार्यक्रमों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने और जनप्रतिनिधियों को ने भविष्य में महानगरपालिका के कार्यक्रमों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने और जनप्रतिनिधियों को नियमानुसार आमंत्रित करने की मांग की है।

पेंग्विन जाएंगे मैसूर मुंबई में आएंगे जेब्रा-जिराफ

रानी बाग में पेंग्विन की संख्या 25 पहुंचने पर वन्यजीवों की अदला-बदली की तैयारी

मुंबई, यशभारत। भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय (रानी बाग) में हम्बोल्ट पेंग्विन की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। ऐसे में मुंबई महानगरपालिका अब कुछ पेंग्विन को कर्नाटक के मैसूर प्राणी संग्रहालय में भेजने की तैयारी कर रही है। इसके बदले मुंबई के रानी बाग में जेब्रा और जिराफ जैसे नए वन्यजीव लाने पर विचार किया जा रहा है।



पेंग्विन की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके रहने की व्यवस्था का विस्तार किया जा रहा है। गणेशोत्सव के दौरान मैसूर प्राणी संग्रहालय के अधिकारियों और अभियंताओं की टीम ने रानी बाग का दौरा कर पेंग्विन की देखभाल, तापमान नियंत्रण, भोजन और पानी की व्यवस्था का निरीक्षण किया था। दोनों प्राणिसंग्रहालयों के बीच शुरुआती बातचीत सकारात्मक रही है।

मैसूर से आधिकारिक प्रस्ताव मिलने के बाद केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) की मंजूरी ली जाएगी। इसके बाद पशु विनिमय समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। कितने पेंग्विन भेजे जाएंगे और बदले में कौन से वन्यजीव मुंबई आएंगे, इसका फैसला समझौते के बाद होगा। इससे पहले गुजरात से एशियाई शेरों की एक जोड़ी रानी बाग लाने के प्रस्ताव पर भी हस्ताक्षर हो चुके हैं।

गोकुल पर कब्जे की बात गलत, कोरम का गतिरोध तोड़ना मकसद -फडणवीस

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गोकुल दुग्ध संघ को लेकर सरकार की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि गोकुल पर कब्जा करने का कोई इरादा नहीं है। सहकारी संस्था का कामकाज प्रभावित न हो और अध्यक्ष के चुनाव में आ रही कोरम की बाधा दूर हो, इसी उद्देश्य से सहकारिता कानून में संशोधन का फैसला लिया गया है। फडणवीस ने बताया कि गोकुल के 25 संचालकों में कांग्रेस समर्थित पैनल के 13 और महायुति समर्थित पैनल के 12 सदस्य हैं। अध्यक्ष के चुनाव के लिए 14 सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। लगातार दो बैठकों में आवश्यक कोरम पूरा नहीं होने से अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका।

इससे संस्था का कामकाज प्रभावित होने की आशंका थी। इसी गतिरोध को दूर करने के लिए सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से सहकारिता कानून में संशोधन किया है। हालांकि, विपक्ष ने इस फैसले को सहकारी संस्थाओं में सरकारी हस्तक्षेप बताते हुए सवाल उठाए हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के संभावित विलय पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक फैसलों में गठबंधन के सहयोगियों को विश्वास में लेना जरूरी है।

चिंतन-मनन

महंगाई के अंधेरे में खुशियों का उजास

दीपावली प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का पर्व है। यह केवल घरों में दीप जलाने या बाजारों को रोशनी से सजाने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन से अंधकार मिटाकर प्रेम, सद्भाव और मानवता का उजाला फैलाने का संदेश देता है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दीपावली की चमक के बीच आम आदमी की खुशियों पर महंगाई का साया गहराता जा रहा है। त्योहार की तैयारियों के बीच बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है और खुशियों को भी आर्थिक गणित में उलझा दिया है।

इस वर्ष दीपावली पर बाजार में रौनक तो है, लेकिन खरीदारी की क्षमता पर महंगाई का दबाव साफ दिखाई दे रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों में 3 से 7 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। दूध, मावा, खोया, चीनी और सूखे मेवों की लागत बढ़ने से मिठाइयां 15 से 30 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। चीनी की कीमत करीब 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि बादाम और पिस्ता जैसे सूखे मेवों के दाम भी आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। पिस्ता की कीमत पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी होने की बात सामने आई है। गेहूं, दाल और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों ने रसोई का बजट भी प्रभावित किया है। सवाल यह है कि जब रोजमर्रा की जरूरतें ही महंगी होती जा रही हैं, तब आम परिवार त्योहार की अतिरिक्त खुशियों का खर्च कैसे उठाए?

महंगाई का दूसरा पहलू उन छोटे कारोबारियों और पारंपरिक कारीगरों की मुश्किलें हैं, जिनकी आजीविका त्योहारों पर निर्भर रहती है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार महंगी मिट्टी, बिजली और परिवहन लागत से परेशान हैं। ऊपर से बाजार में चाइनीज और रेडीमेड लाइटों की बढ़ती मांग ने उनके कारोबार को प्रभावित किया है। जिस दीपावली की पहचान मिट्टी के दीपक से है, उसी पर्व पर दीप बनाने वाले कारीगर आर्थिक संघर्ष कर रहे हैं। यह स्थिति हमारी बाजार व्यवस्था और उपभोक्ता प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करती है। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना केवल स्वदेशी का नारा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका बचाने का प्रयास है। हालांकि दीपावली का वास्तविक अर्थ महंगे उपहार, चमक-दमक और दिखावे में नहीं छिपा है। इसकी सार्थकता मन के भीतर के अंधकार को मिटाने में है। आज समाज ईर्ष्या, द्वेष, असहिष्णुता और भेदभाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में दीपावली हमें प्रेम, करुणा, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। जिस प्रकार छोटे-छोटे दीप मिलकर अंधकार को दूर करते हैं, उसी प्रकार समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने सकारात्मक योगदान से राष्ट्र को मजबूत बना सकता है।

पर्यावरण संरक्षण भी इस पर्व की बड़ी जिम्मेदारी है। पटाखों से होने वाला वायु और ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसलिए हरित दीपावली को अपनाना समय की मांग है। मिट्टी के दीप जलाना, स्थानीय कारीगरों से खरीदारी करना और अनावश्यक खर्च से बचना इस पर्व को अधिक अर्थपूर्ण बना सकता है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी रखे और जमाखोरी तथा कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करे, ताकि त्योहार आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। अंततः दीपावली का उजाला तभी सार्थक होगा, जब किसी गरीब के घर का चूल्हा भी जले और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आए। महंगाई के इस दौर में हमें समझना होगा कि त्योहार की खुशियां धन से नहीं, संवेदना और साझेदारी से बढ़ती हैं। इस दीपावली पर संकल्प हो कि हम केवल अपने घर नहीं, बल्कि समाज के हर उस कोने को रोशन करेंगे, जहां अभाव और निराशा का अंधेरा है। यही सच्चे अर्थों में दीपावली का संदेश है।

कड़वे वचन



अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं मुनिश्री आप इतना चिल्ला चिल्लाकर क्यों बोलते हैं ? तब मैं कहता हूं कि भाई तुम्हारे घर में कुत्ता होता है । वह तुम्हारे द्वारा दी गई सूखी रूखी रोटी खाकर रात में जब तुम गहरी नींद में होते हो तो वह भौंक भौंक कर चोरों से तुम्हारे धन की रक्षा करता हैं । फिर मुझ तरुणसागर को तो समाज दोनों तरफ घी लगी रोटियां खिलाता है तो भला मैं क्यों न चिल्लाऊं ।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-8 नवम्बर, 2026
दिन-रविवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
अपने कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना आपको सफल बनाएगा। उत्साह में वृद्धि होगी

वृष (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
समाज में मान-सम्मान बना रहेगा। विद्यार्थियों की भविष्य को लेकर चल रही समस्या दूर होगी।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह)
आर्थिक कश्मकश बनी रहेगी। खर्चों पर कटौती करना अति आवश्यक है

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने से पहले उस पर सोच-विचार जरूर करें। सतर्क रहे

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
अपने स्वभाव में अहम की भावना न आने दें। कारोबारी गतिविधियों में दिक्कतें रहेंगी।

कन्या (डो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सफलता मिलेगी परंतु अभी और मेहनत की जरूरत है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
व्यवसायिक संपर्कों को मजबूत करें। किसी राजनीतिज्ञ से मुलाकात लाभदायक साबित होगी।

वृश्चिक (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
पति-प ी के बीच चल रही गलतफहमी का निवारण होगा। संबंधों में पुनः मधुरता आएगी।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बदलते वातावरण से सावधान रहना आवश्यक है।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी कोई गतिविधि चल रही है तो उससे संबंधित काम हो सकता है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
परिवार में कोई धार्मिक आयोजन की योजना बनेगी। घर की साज सज्जा में समय व्यतीत होगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
समस्या का सामंजस्य से समाधान निकालने की जरूरत है। धैर्य और शांति बनाए रखें।

झिलमिलाती झालरों में गुम होती मिट्टी के दीयों की दिवाली



कभी दिवाली मिट्टी के दीयों की सौंधी महक, घर में बनते पकवानों की मिठास, आँगन में उकेरे जाते मांडणों, रिश्तों के अपनत्व और लोक परंपराओं की जीवंतता का पर्व हुआ करती थी। त्योहार आने से कई दिन पहले ही घरों में तैयारियाँ शुरू हो जाती थीं। बच्चों के चेहरों पर उत्साह होता था, महिलाओं के हाथों में काम की व्यस्तता और बुजुर्गों के पास परंपराओं से जुड़ी अनगिनत स्मृतियाँ होती थीं। समय बदला, जीवनशैली बदली और दिवाली मनाने के तौर-तरीके भी बदल गए। आज बिजली की रंग-बिरंगी लड़ियाँ, आकर्षक सजावट, महँगे उपहार, मिठाइयों के सुंदर डिब्बे, पटाखों का शोर और इंटरनेट पर शुभकामनाओं की भरमार इस पर्व का हिस्सा बन चुके हैं। आधुनिकता ने त्योहार को नया स्वरूप तो दिया है, लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक सवाल भी उठता है कि क्या हमने दिवाली की मूल आत्मा को कहीं पीछे छोड़ दिया है?

दिवाली केवल अमावस्या की रात को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और दूरियों पर अपनत्व की विजय का प्रतीक है। धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे पाँच पर्वों से सजा यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक एकजुटता का परिचायक है। दुर्भाग्य से आज अनेक परिवारों में इसकी रौनक एक दिन की औपचारिकता तक सिमटती जा रही है।

दिवाली की सबसे सुंदर और विशिष्ट पहचान मिट्टी के दीये हुआ करते थे। त्योहार से कई दिन पहले बाजारों में कुम्हारों की दुकानें सज जाती थीं। बच्चे अपने माता-पिता के साथ दीये खरीदने जाते और घर लौटकर उन्हें पानी में भिगोने, सुखाने तथा व्यवस्थित करने में हाथ बँटाते थे। फिर उनमें तेल और बाती डालकर घर के कोने-कोने में जलाया जाता था। मिट्टी के इन छोटे-छोटे दीयों की टिमटिमाती लौ में केवल रोशनी नहीं, बल्कि मिट्टी से जुड़ाव, श्रम का सम्मान और अपनी परंपराओं के प्रति आत्मीयता भी समाहित होती थी। गाँवों में कुम्हार अपने चाक पर मिट्टी से दीये, कुल्हड़, खिलौने और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बनाते थे। कई स्थानों पर किसान अनाज के बदले कुम्हारों से दीये लेते थे। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारस्परिक सहयोग की ऐसी व्यवस्था थी, जिसमें एक परिवार की खुशियाँ दूसरे परिवार की आजीविका से जुड़ी होती थीं। आज बिजली की झालरों और सजावटी रोशनियों ने मिट्टी के दीयों का स्थान काफी हद तक ले लिया है। हम घर की सजावट पर हजारों रुपये खर्च करने से नहीं हिचकिचाते, लेकिन मिट्टी का दीया खरीदते समय उसकी कीमत पर मोलभाव करते हैं। इसका सीधा असर उन कुम्हार परिवारों पर पड़ रहा है, जिनकी पीढ़ियाँ इसी पारंपरिक व्यवसाय से जुड़ी रही हैं। ऐसे में मिट्टी के दीये खरीदना महज परंपरा निभाना नहीं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका, आत्मसम्मान और पारंपरिक हुनर को बचाने का छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है।

दिवाली की तैयारियों में कभी घर की रसोई भी उत्सव का प्रमुख केंद्र हुआ करती थी। महिलाएँ कई दिन पहले से लड्डू, मठरी, शक्करपारे, नमकपारे, चकली, गुझिया और तरह-तरह के नमकीन बनाने में जुट जाती थीं। घर की रसोई से उठती घी और मसालों की खुशबू पूरे वातावरण को त्योहारमय बना देती थी। परिवार के दूसरे सदस्य भी अपने-अपने ढंग से सहयोग करते थे। कोई सामग्री तैयार करता, कोई पकवान तलने में मदद करता तो कोई उन्हें डिब्बों में सजाता था। इन पकवानों में केवल आटा, घी और चीनी नहीं, बल्कि परिवार का सामूहिक श्रम, प्रेम और अपनापन भी घुला होता था। आज समय की कमी और बदलती जीवनशैली के कारण बाजार की मिठाइयों तथा पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर निर्भरता बढ़ गई है। बाजार से मिठाई खरीदना गलत नहीं है, लेकिन घर में कुछ पारंपरिक पकवान बनाकर परिवार के साथ बाँटने का आनंद किसी महँगे मिठाई के डिब्बे में नहीं मिल सकता। आखिर मिठास केवल मिठाई में नहीं, बल्कि उसे बनाने, परोसने और अपनों के साथ बाँटने के भाव में भी होती है।

राजस्थान की लोक संस्कृति में दिवाली की तैयारियों का विशेष महत्व रहा है। घरों की सफाई और लिपाई-पुताई के बाद आँगन में मांडणे बनाए जाते थे। रंगोली, फूलों की सजावट और पारंपरिक आकृतियाँ घर की सुंदरता में चार चाँद लगा देती थीं। मुख्य द्वार पर आम और अशोक के पत्तों के वंदनवार बाँधे जाते थे। पूजा स्थल को विशेष रूप से सजाया जाता और घर की महिलाएँ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लक्ष्मी पूजन की तैयारियाँ करती थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन को नहलाने, सजाने और उनकी पूजा करने की परंपरा भी उत्सव का अभिन्न हिस्सा रही है। महिलाएँ और लड़कियाँ घर में मेहँदी भिगोकर एक-दूसरे के हाथों पर लगाती थीं। मेहँदी का रंग गहरा होने की प्रतीक्षा में रातभर हँसी-मजाक और बातचीत का दौर चलता था। ये गतिविधियाँ केवल त्योहार की तैयारियाँ नहीं थीं, बल्कि परिवार को जोड़ने और लोक संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के सहज माध्यम थीं। आज तैयार मेहँदी, बाजार की सजावटी वस्तुओं और ऑनलाइन खरीदारी ने इन सामूहिक गतिविधियों का स्थान ले लिया है। सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन परिवार के साथ बिताए जाने वाले आत्मीय पल धीरे-धीरे कम हुए हैं।

दिवाली के बदलते स्वरूप का एक चिंताजनक पक्ष पटाखों का बढ़ता शोर और प्रदूषण भी है। कुछ घंटों की आतिशबाजी के लिए बड़ी मात्रा में धन खर्च किया जाता है, जबकि इससे निकलने वाला धुआँ वायु की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। तेज आवाज बुजुर्गों, छोटे बच्चों और ध्वनि के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है। पशु-पक्षी भी इस शोर से भयभीत होते हैं। त्योहार की खुशी ऐसी नहीं होनी चाहिए, जो किसी दूसरे जीव या व्यक्ति के लिए कष्ट का कारण बन जाए। हमें यह समझना होगा कि उत्सव का अर्थ केवल शोर करना और धन खर्च करना नहीं है। कम पटाखे चलाना, पर्यावरण के अनुकूल सजावट करना, ऊर्जा की बचत करना और आसपास स्वच्छता बनाए रखना जिम्मेदार नागरिक होने के साथ-साथ हरित दिवाली की दिशा में भी आवश्यक कदम हैं।

तकनीक ने भी दिवाली के स्वरूप को काफी प्रभावित किया है। इंटरनेट, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप के माध्यम से कुछ ही क्षणों में शुभकामना संदेश हजारों लोगों तक पहुँच जाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से आकर्षक चित्र, संदेश और शुभकामना पत्र भी तैयार किए जा रहे हैं। निस्संदेह तकनीक ने दूर बैठे परिजनों और मित्रों से संपर्क आसान बनाया है, लेकिन डिजिटल संदेश आत्मीय मुलाकात का विकल्प नहीं हो सकते। किसी बुजुर्ग के पास बैठकर उनका हाल पूछना, किसी रूठे रिश्तेदार को गले लगाना, पुराने मित्र से मिलना और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही त्योहार की वास्तविक सार्थकता है। एक क्लिक से भेजी गई शुभकामना और किसी के घर जाकर दी गई आत्मीय बधाई के भाव में अंतर होता है। तकनीक संपर्क का माध्यम बन सकती है, लेकिन रिश्तों की गर्माहट मनुष्य के व्यवहार से ही कायम रहती है।

दिवाली के उत्सव में बढ़ता दिखावा और महँगाई भी विचारणीय विषय हैं। महँगे कपड़े, उपहार, सजावट और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर होने वाला अनावश्यक खर्च कई परिवारों पर आर्थिक दबाव पैदा करता है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सजावट और उत्सव देखकर अपनी खुशियों को उनसे बड़ा दिखाने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। परिणामस्वरूप त्योहार कभी-कभी आनंद के बजाय आर्थिक बोझ बन जाता है। जबकि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का मूल भाव सादगी, संतोष, सद्भाव और सामूहिक प्रसन्नता रहा है। किसी जरूरतमंद परिवार को मिठाई देना, किसी गरीब बच्चे को नए कपड़े दिलाना या किसी अकेले बुजुर्ग के साथ कुछ समय बिताना महँगे उपहारों से कहीं अधिक मूल्यवान हो सकता है। खुशियाँ जितनी बाँटी जाती हैं, उतनी ही बढ़ती हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को भी सँभालकर रखें। इसके लिए किसी बड़े परिवर्तन या अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता नहीं है। इस दिवाली कुछ मिट्टी के दीये खरीदें, स्थानीय कुम्हारों को प्रोत्साहित करें, घर में पारंपरिक पकवान बनाएँ, बच्चों को मांडणों और लोक परंपराओं से परिचित करवाएँ, बुजुर्गों के साथ समय बिताएँ और किसी जरूरतमंद की सहायता करें। अगली पीढ़ी को केवल बिजली की लड़ियों, कैमरों और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित होने वाली दिवाली नहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों, पारिवारिक आत्मीयता, लोक संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं से सजी दिवाली भी विरासत में मिलनी चाहिए। पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों दोहराना आवश्यक नहीं, लेकिन उनमें निहित प्रेम, सहयोग, सादगी और सम्मान के मूल्यों को बचाए रखना हमारा दायित्व है।

आखिरकार, बिजली की लड़ियाँ घर रोशन कर सकती हैं, लेकिन रिश्तों में उजाला नहीं भर सकतीं। महँगे उपहार चेहरे पर क्षणिक मुस्कान ला सकते हैं, लेकिन मन को सच्ची खुशी अपनत्व से ही मिलती है। पटाखों का शोर उत्सव का एहसास करा सकता है, लेकिन किसी के मन का सन्नाटा दूर नहीं कर सकता। इसलिए इस दिवाली केवल घर नहीं, दिल भी रोशन करें। मिट्टी के दीये जलाएँ, अपनी संस्कृति सँभालें, मेहनतकश कारीगरों का सम्मान करें और उन रिश्तों को समय दें, जिन्हें आधुनिक जीवन की भागदौड़ में पीछे छोड़ आए हैं। क्योंकि दिवाली की वास्तविक सार्थकता उसकी बाहरी चमक में नहीं, बल्कि उस उजाले में है जो हमारे व्यवहार, विचारों और संवेदनाओं में दिखाई देता है। झिलमिलाती झालरों के बीच मिट्टी के दीयों की लौ बुझने न पाए, यही हमारी परंपरा, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्चा संकल्प होना चाहिए।

(लेखक -सुनील कुमार महला)

भगवान राम व श्रीकृष्ण भी मनाते थे दीपावली!

शुभं करोतु कल्याणं आरोग्यं सुख संपदाम।
दुष्ट शक्तिः विनाशाय दीप ज्योति नमोस्तुते।।

हिंदू धर्म मे दीपावली पर्व शुद्ध रूप से सामाजिक एवं भौगोलिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसको द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण भी मनाया करते थे। त्रेता युग में भगवान राम ने भी दीपावली का मनाया था और इससे पहले सतयुग में दीपावली को मनाया जाता था। दीपावली का वास्तविक नाम है, *शारदीय नवसस्येष्टि पर्व* जिसका अर्थ है *शरद ऋतु में आई हुई फसल का यज्ञ* अर्थात् खरीफ की फसल तिलहन, दलहन, अनाज यथा धान, मक्का, चना, मसूर, जौ, उड़द, सोयाबीन, अरहर आदी का प्रेम से स्वागत करना, पूजा करना, सबसे पहले इन नई फसलों को प्राप्त करने के बाद इसे परमात्मा व देवताओं को भोग लगाना। भोग लगाने की विधि यज्ञ है। जो अग्नि देवताओं का मुख है। अग्नि को दी हुई आहुति परमात्मा व सभी देवताओं को प्राप्त होती है। इससे परमात्मा व सभी देवी देवता प्रसन्न होते हैं और जन कल्याण करते हैं। हमारी संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति है। हम नई फसल से नए-नए पकवान खीर, हलवा, मिठाई लड्डू बताशा आदि बनाते है। अपने माता-पिता, गुरु- आचार्य, बड़े-बुजुर्ग, रिश्तेदार, असहाय, निर्बल, अनाथ, हमारे सेवक, कर्मचारी, पड़ोसी, हमारे रक्षक पुलिस, सेना को देकर यथायोग्य ग्रहण कराते है। सामाजिक स्तर पर कर्म के अनुसार किसान और व्यापारी इस पृथ्वी पर समृद्धि लाते हैं और अभाव को दूर करते हैं इनका सदकार्य ही यही है-

पशुनां रक्षणं दानं इज्याह्यध्ययनमेव च।
वणिक् पथं कुसीदं च वैश्यस्य कृषिमेव च।।

अर्थात - पशुओं का पालन एवं रक्षण तथा दान देना, यज्ञ करना, स्वाध्याय करना इस नियमित अङ्ग और व्यापार- वस्तुओं का आयात निर्यात और पैसों का निवेश करना यह व्यापारी एवं किसान के कार्य है।परंतु किसान की उपेक्षा करके कभी किसी समाज की शुभ दीपावली नहीं हो सकती। कुछ लोग लक्ष्मी का अर्थ, नोट करेंसी को मानते है ।लेकिन जब नोट नहीं थे, तब लक्ष्मी नहीं थी क्या? लक्ष्मी तब भी थी। तब तांबे, सोने, चांदी के सिक्के चलते थे। एक समय ऐसा भी था जब सिक्के नहीं थे, तब क्या लक्ष्मी नहीं थी? अवश्य थी। फिर लक्ष्मी क्या है लक्ष्मी है धान, अनाज। यही विशुद्ध रूप से लक्ष्मी है और इस लक्ष्मी को देने वाला किसान है।इसलिए इस दीपावली में आसपास के गरीब किसानों का संबल बने उनके पास जायें ,हो सके तो उनके कर्ज को हल्का या कम करने का प्रयास करें। उनके बच्चों को मिठाई कपड़ा इत्यादि देंयह उनपर पर दया नही,बल्कि उनका अधिकार समझ कर दे।

दीपावली के पर्व

धनतेरस - लोक में ऐसा प्रचलन है कि इस दिन स्वर्ण, चांदी, तांबे की खरीदी करना शुभ होता है। इसलिए लोग जमकर आभूषण इत्यादि खरीदते हैं। आइए! समझते हैं धनतेरस क्या है। धनतेरस में दो शब्द है पहला है धन जिस का सामान्य अर्थ लगाया जाता है पैसा रुपया सोना चांदी आदि और तेरस का अर्थ है त्रयोदशी *धनतेरस* के दिन त्रयोदशी तिथि होती है। कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस मनाया जाता है। पर त्रयोदशी को स्वर्ण आदि आभूषण खरीदने से क्या लाभ और शुभ? क्या साल भर ज्वेलरी की दुकानें बंद रहती है? क्या दूसरे दिन खरीदना अशुभ है? बिल्कुल भी नहीं फिर धनतेरस का क्या मतलब? धन का सबसे पहला अर्थ है - शरीर, *पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया* माया तो दूसरे स्थान पर है। पहली संपत्ति तो हमारा शरीर है। आपसे कोई अपका एक हाथ मांग ले बदले में कई लाख रुपए देने की बात कहे तो आप कदापि नहीं मानेंगे। इसका मतलब पहला धन तो आपका शरीर ही है। इससे बड़ा कुछ नहीं है अब आप पूछेंगे? इसका धनतेरस से क्या मतलब है? आयुर्वेद के बहुत बड़े ज्ञाता ऋषि हुए हैं। धन्वंतरि और उन्होंने अपनी बात प्रारंभ की है। शरीर रूपी धन से। उन्होंने शरीर को सबसे बड़ा धन बताया है। इसलिए पहला धन तो शरीर है यदि आप स्वस्थ रहें निरोग है तो संपत्ति और भी कमा सकते हैं। कहावत तो आपने सुनी है *जान है तो जहान है* तो बताइए आपको पहला धन पवित्र आत्मा और शरीर हुआ ना। आपका सुंदर स्वास्थ्य ही आपका धन है। धन्वंतरि के स्मरण में हम त्रयोदशी को धनतेरस मनाते हैं। शरद ऋतु में शरीर का ध्यान रखना यह आयुर्वेद के अनुसार भी बहुत जरूरी है। क्योंकि शरद ऋतु में ध्यान रखा गया शरीर पूरे साल भर स्वस्थ रहता है। जीवेम शरदः शतम् इस मंत्र के भाग में शरद शब्द का उल्लेख है अर्थात् हम सौ वर्ष तक जिए हम सौ शरद ऋतु देखें। शरद ऋतु की उपेक्षा करके कोई व्यक्ति सौ वर्ष तक नहीं जी सकता। इसीलिए हमारा पहला धन शरीर है। ध्यान रहे! हमारा पहला धन शरीर है परंतु व्यक्ति संपत्ति कमाने के लिए इस अमोल शरीर और मानव जन्म को दांव पर लगा देता है। फिर शरीर ठीक करने के लिए पूरी संपत्ति को गवां देता है। इसलिए आइए असली धन को समझें और धनतेरस ऐसे ही मनाएं। कालांतर में लोगों ने स्वर्ण आभूषणों को बड़ा धन मान लिया।

लक्ष्मी पूजा - लक्ष्मी पूजा दीपावली जो मुख्य पर्व है इस दिन आप लोगों को दो बार यज्ञ हवन करना होगा। एक बार प्रातः काल घर में और दूसरी बार आपके प्रतिष्ठान व्यवसाय ऑफिस दुकान फैक्ट्री आदि में। जहां पर बैठ करके आप अपना कार्य करते हैं। दीपावली से पहले ही आप अपने घर की साफ-सफाई, रंगरोगन, आदि कर लें। क्योंकि वर्षा ऋतु अभी गई है और साफ-सफाई की बड़ी आवश्यकता है। रात्रि को पवित्र मन से शयन करें। पर्वों पर और अमावस्या, पूर्णिमा और अष्टमी इन पर्व तिथियों पर कम से कम पति और पत्नी का सहवास वर्जित है,एवं पाप है। इस दिन पवित्र रहे प्रातः काल 4 बजे उठे प्रार्थना करें। योग प्राणायाम करें। सभी मिलकर के आनंदोत्सव से मिठाइयां पकवान बनाए घर में यज्ञ हवन करें। विद्वानों को बुलाकर के हवन करवाएं। आपकी हवन सामग्री में बताशे धान मूंग मसूर दाल जो नई फसल है उसको मिलाएं और दीपावली *शारदीय नव सस्येष्टि* के मंत्रों से आहुतियां दें। परिवार के कल्याण के लिए समाज के कल्याण के लिए देश के कल्याण के लिए परमात्मा से प्रार्थना करें। साथ में यह भी कहें कि पहले सुधार मेरे से शुरू होगा।

लक्ष्मी पूजा - लक्ष्मी का अर्थ है जो आपके लक्ष्य की पूर्ति में आपका सबसे सहायक साधन हो, वह लक्ष्मी है। बिना शुद्ध लक्ष्य के शुद्ध लक्ष्मी भी प्राप्त नहीं होती है। इसलिए हमारा लक्ष्य भी ऊंचा और श्रेष्ठ होना चाहिए। अपने घर को सजाएं। घी के दीपक जलाएं। दिवाली वाले दिन अमावस्या तिथि होती है और यह अमावस्या 12 महीने में जो 12 अमावस्यायें आती है उसमें यह सबसे काली अमावस्या होती है। सबसे प्रगाढ अंधकार वाली अमावस्या होती है। हम चाहते हैं कि हम घी के दीपक जला करके इस अंधकार को दूर करें। *तमसो मा ज्योतिर्गमय* हम अंधकार से प्रकाश की ओर चलें। हमारे मन से अंधकार मिटे, हमारे समाज से अज्ञान, अंधकार, अभाव दूर हो यही *दीपावली* का संदेश है। दीप का अर्थ है दीपक और अवली का अर्थ है पंक्ति, जिस पर्व में दीपक की बड़ी-बड़ी पंक्तियां लगाकर घृत के दीपक जलाते हैं उसे दीपावली कहते हैं।

गोवर्धन पूजा- हमारे पूर्वजों ने हमारे पर्वों को कितना सुंदर सजाया है, कितना सामंजस्य बैठाया है। मैंने अभी कहा,लक्ष्मी का मतलब करेंसी नहीं है, हमारी फसल है। अब आप बताइए बिना गो माता की पूजा के किसानों की समृद्धि कैसे हो सकती है या फिर लक्ष्मी पूजा कैसे हो सकती है। गोवर्धन अर्थात गौ माता का रक्षण पालन और संवर्धन। बिना गो माता के खेती कैसे हो सकती है? फसल अच्छी कैसे हो सकती है? विदेशी खाद फ़र्टिलाइज़र से आप सिर्फ बीमार पड़ेंगे। परंतु शुद्ध गाय के गोबर के खाद से खेती करने पर उसका कितना लाभ होता है आप जानते हैं।

(लेखक- डा श्रीगोपाल नारसन)

पत्थरों के शहरों में रोशनी की तलाश....



बारूदों के मौसम
सुलग रहे धकते दिलों की सुरंगों में
थकी हुई बोझिल सांसे, फ़िरि हुई
उदास
बुझे हुए मन के चिरा?
पत्थरों के शहरों में
रोशनी की तलाश...
घना अंधेरा है दूर
तलक,पसरा
आंसुओं में तैरती
दिवाली की गुजरिया
जिंदगी के अनगिनत
बंटवारे,नाप जोख
सब बेमानी,खसरा
हारे हुए स्वप्न सभी
गुम हुए हुकुम के इक्के , जली हुई
अब ताश,पत्थरों के शहरों में रोशनी
की तलाश...
गुमशुदा कंदीलों के
कौन जगाए,भाग्य
तेल बाती सब बिखरे
जाने कहाँ गए
उजियारों के गूंजते राग
फुलझ?ियों के फूल झड़ गए,बुझे
बुझे अनार,धुआँ हँसता रहा चौखट
हवेली
उलझी रही पहेली
दीप अकेले लड़ते रहे हवाओं से,पीर
पर्वत
नंगे पांव दौ?ती रही लाश,
पत्थरों के शहरों में
कभी न ख़त्म होने वाली
रोशनी की तलाश....

रमाकान्त निगम



एक और दिवाली....

अंतर्मन के दीपों की
अनकही कहानियां जग
जाहिर हो गईं.....
जुगनुओं की अंधेरी बस्ती
पांच सितारा होटल के लिए
रातों रात खाली हो गई...
वही शतरंज वही बाजी
राजनीति के पहाड़ों की
दलाली....
दिय संग बाती हुई मौन
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली.....
बेदम उजियारा
हांफने लगा...अंधियारे
हंसते रहे गली चौराहे
बस्ती
कंदीलों के चुभते नाग
फनी
किस्मत ने हद कर दी....
ग्रहण लगी ज़िंदगी
हर बार रही सवाली...
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली...
फुटपाथों के दर्द हुए
बेपर्दा... अपाहिज़ बचपन
जले हुए पटाखों की
बासी बारूद लपेटे,जलते
रहे...मन घायल
आतिशबाजियों से
रहा डरता....
तन टेहाल,जेब रहे खाली..
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली....
बुझे हुए अनार सी बोझिल
सांसों के अनगिनत लुटेरे
जाने कितने ज़ख्म लिए
अभिशाप हुए वनवासों के
फेरे....
हिस्से में हर बार हमारे
वही अमावस..रात काली...
आंसुओं के तेल में डूबी
एक और दिवाली....

रमाकान्त निगम

नियमों को ताक पर रखकर ब्लैक मार्केट में बिक रहे पाइप बम

लोकल मैन्युफैक्चरिंग के चलते कार्रवाई से बच रहे कारोबारी, 125 डेसीबल तक धमाकों से दहलेगी शहर की आबादी

जबलपुर, यशभारत। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही शहर में पटाखों की दुकानें सज गई हैं। बाजार में आतिशबाजी की तमाम वैरायटी के बीच सबसे बड़ा खतरा उन पाइप बमों से है, जिनकी न तो कोई ब्रांडिंग होती है और न ही निर्माण करने वाली कंपनी का स्पष्ट नाम। स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले ये पाइप बम खुले बाजार में सामने से बेचने के बजाय कथित तौर पर ब्लैक मार्केट में मांग के आधार पर बेचे जा रहे हैं। तेज धमाकों और अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के लिए कुख्यात इन बमों की बिक्री पर अंकुश लगाना जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।



दरअसल, चाइना पटाखों पर प्रतिबंध के बाद भी तेज आवाज वाले पटाखों का कारोबार थमा नहीं है। शिवाकाशी से आने वाले पटाखों के अलावा स्थानीय आतिशबाज भी सुतली बम, एटम बम और विशेष रूप से पाइप बम तैयार कर रहे हैं। इनमें पाइप बम सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। इनका निर्माण स्थानीय स्तर पर होने के कारण किसी स्थापित ब्रांड का नाम या निर्माता की पहचान सामने नहीं आती। यही वजह है कि इनके निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कार्रवाई करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

दुकानों पर नहीं दिखेंगे, मांगने पर होगी सप्लाई

पाइप बमों का कारोबार करने वालों ने कथित तौर पर बिक्री का तरीका भी बदल लिया है। दुकानों के सामने इन्हें खुलेआम प्रदर्शित करने या बेचने के बजाय अलग से मांग करने वालों को उपलब्ध कराया जा रहा है। यानी बाजार में पटाखों की दुकानों पर भले ही इनकी मौजूदगी नजर न आए, लेकिन पर्दे के पीछे इनका कारोबार जारी रहने की शिकायतें हैं। ऐसे में प्रशासन की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का असर वास्तविक बिक्री तक पहुंच पाएगा या नहीं, यह बड़ा सवाल है।

125 डेसीबल तक धमाके आम लोगों की परेशानी

तेज आवाज वाले पटाखों से होने वाले धमाके रहवासी इलाकों में बुजुर्गों, छोटे बच्चों, बीमार व्यक्तियों और हृदय रोगियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। 125 डेसीबल तक की आवाज वाले पटाखों को लेकर ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों और न्यायालयीन निर्देशों के तहत प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू हैं। इसके बावजूद हर साल दीपावली पर कानफोड़ू धमाकों की शिकायतें सामने आती हैं। पाइप बमों से होने वाला तेज धमाका ध्वनि प्रदूषण के साथ लोगों में घबराहट और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ा सकता है।

स्थानीय निर्माण पर कार्रवाई कौन करेगा?- सबसे अहम सवाल स्थानीय स्तर पर हो रहे निर्माण को लेकर है। जब किसी पटाखे पर निर्माता का नाम, ब्रांड या वैधानिक पहचान ही नहीं होगी, तो उसकी सप्लाई चेन तक पहुंचना आसान नहीं होगा। प्रशासन को केवल लाइसेंसधारी दुकानों की जांच तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय निर्माण स्थलों, अवैध भंडारण और पर्दे के पीछे चल रहे कारोबार पर भी निगरानी रखनी होगी। अन्यथा प्रतिबंधात्मक आदेश कागजों तक सीमित रह जाएंगे और दीपावली की रात शहर के रहवासी इलाकों में तेज धमाकों का सिलसिला जारी रहेगा।

समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बढ़ेगी मुश्किल

पटाखों की खेप बाजार में पहुंचने के बाद ऐन वक्त पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना कितना प्रभावी होगा, यह भी विचारणीय है। प्रशासन को पहले से ही ध्वनि सीमा का उल्लंघन करने वाले पटाखों की पहचान, स्थानीय निर्माताओं की जांच और अवैध बिक्री पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए थी। अब सवाल यह है कि जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग पाइप बमों के इस कथित ब्लैक मार्केट पर कितना अंकुश लगा पाते हैं या फिर इस बार भी आम नागरिकों को कानफोड़ू धमाकों के बीच दीपावली मनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

दो महीने से चलने-फिरने में असमर्थ 15 माह की हथिनी 'माया' हुई एयरलिफ्ट, इलाज के लिए पहुंचेगी वंतारा

कोच्चि। केरल के कपरीक्कड़ स्थित अभयारण्यम कैंप में पली-बढ़ी 15 माह की हथिनी माया को बेहतर इलाज और गहन चिकित्सा देखभाल के लिए जामनगर स्थित वंतारा ले जाया जा रहा है। माया पिछले करीब दो महीने से अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही है। उसकी लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए वन विभाग ने विशेषज्ञों की सलाह पर उसे एयरलिफ्ट करने का निर्णय लिया है। माया को जन्म के दिन ही उसके झुंड ने छोड़ दिया था। इसके बाद उसे अभयारण्यम कैंप लाया गया, जहां वन विभाग के अधिकारियों और देखभाल करने वालों ने उसका पालन-पोषण किया। जुलाई 2026 में वह अचानक गिर गई, जिसके बाद उसके पैरों में वजन सहने की क्षमता नहीं रही। वह करीब दो महीने तक उठ नहीं सकी। उसके इलाज के लिए वन विभाग ने विशेष मेडिकल बोर्ड गठित किया। बोर्ड की



सलाह पर पशु चिकित्सकों ने लगातार उपचार किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। लंबे समय तक लेटे रहने के कारण शरीर पर घाव होने, मांसपेशियां कमजोर पड़ने और सांस लेने व पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया। 24 अक्टूबर को विशेषज्ञों ने माया की जांच की। इसके बाद वन विभाग ने हाथियों के उपचार और पुनर्वास में विशेषज्ञता रखने वाली वंतारा की टीम से संपर्क किया। टीम तत्काल अभयारण्यम पहुंची और वन अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ मिलकर माया की स्थिति का आकलन किया। इसंयुक्त जांच के बाद विशेषज्ञों ने सहमति जताई कि माया के बेहतर उपचार और स्वस्थ होने की संभावना के लिए उसे वंतारा ले जाना जरूरी है। अब उसे कोच्चि हवाई अड्डे से जामनगर एयरलिफ्ट किया जा रहा है।



एम्स भोपाल में राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज में रीवा की टीम ने मारी बाजी

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग द्वारा 8वीं राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज फोरेंस का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देशभर के मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दस राउंड की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद श्याम शाह शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयय रीवा की टीम विजेता बनी, जबकि एम्स भोपाल की टीम उपविजेता रही। वर्ष 2015 में शुरू हुई यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी के व्यावहारिक और चिकित्सकीय ज्ञान से जोड़ने का मंच प्रदान कर रही है। एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल ने आयोजन की सराहना की।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र पांच दिन का रखने पर उमंग सिंघार ने उठाए सवाल

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र को पांच दिन का रखने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समस्याओं का अंबार है, लेकिन सरकार विधानसभा में चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं दे रही है। सिंघार ने कहा कि इससे पहले मानसून सत्र भी पांच दिन के लिए बुलाया गया था लेकिन उसे तीन दिन में ही समाप्त कर दिया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने ग्रामीणों को सौंपे मालिकाना हक के दस्तावेज, बोले- गरीब कल्याण में नहीं किया जाता भेदभाव

कोटरा गांव में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी



भोपाल,यश भारत। हुजूर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोटरा में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत पट्टों की रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो गया है। धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने गांव पहुंचकर पात्र हितग्राहियों को रजिस्ट्री के दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्वामित्व योजना गरीबों को स्थायी मालिकाना हक देने की महत्वपूर्ण पहल है। रजिस्ट्री होने से ग्रामीण अब अपनी संपत्ति पर बैंक से ऋण लेने के साथ वैध रूप से क्रय-विक्रय भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब कल्याण में कभी भेदभाव नहीं करती। अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है। इसमें भाजपा कांग्रेस का भेद नहीं किया जाता। विधायक ने रजिस्ट्री कार्य समय पर पूरा करने के लिए एसडीएम तहसीलदार राजस्व निरीक्षक और पटवारियों सहित पूरे राजस्व अमले की सराहना की।

नेकी की दीवार पर अब नहीं रह गई नेकी

या तो जला दिये जा रहे कपड़े,या फिर बेचने वाले उठा लेते हैं

जबलपुर यश भारत। बड़े नेक इरादे से शहर में नेकी की दीवार शुरू की गई थी। जगह जगह ऐसे स्थान चिन्हित किए गए थे जहां लोग उनके लिए अनुपयोगी और पुराने हो चुके सामान वस्त्र, जूते, बर्तन, किताबें आदि रख जाएं तो जिन्हें जरूरत हो अपने हाथ से उठा कर ले जांए। इसका उद्देश्य उन गरीब परिवारों की मदद करना उद्देश्य रहा जो उन्हें खरीदने की क्षमता नहीं रखते हैं उनके अभावों को दूर करना रहा।



प्रारंभ में इसके प्रति लोगों की रुचि भी दिखी लोग दिल खोलकर वहां अपने घर में अनुपयोगी और पुरानी हो गई वस्तुएं छोड़ जाते थे और गरीब, मजदूर, रिक्शेवाले आदि अन्य लोग यहां तक कि सक्षम आर्थिक स्थिति वाले भी वहां से अपनी जरूरतों के सामान ले जाते हुए देखे गए। एक प्रकार से नेकी की दीवार वाले स्थान आदर्श अदल बदल के केन्द्र नजर आए। लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। नेकी की दीवार वाली जगह अब एक प्रकार से कचरे के स्थान में तब्दील हो चुके हैं ?। अब वास्तविक जरूरत मंदों को वहां कोई जरूरत की वस्तु नहीं मिलती है। वैसे भी वहां पुराने बर्तन, किताबें, जूते आदि नहीं देखे गए।जो गरीब गुरबे वहां किसी उम्मीद से जाते थे, अब उनने उस तरफ देखना भी बंद कर दिया है। कारण यही की वहां उनकी जरूरतों का सामान कभी मिलता ही नहीं। उसके बाद रही सही कसर उन संग्रहकर्ताओं ने खत्म कर दी जो पुराने अच्छे कपड़े बटोर कर ले जाते हैं और उन्हें धोकर प्रेस करके गांवों में ले जाकर बेच देते हैं।रहे सहे कपड़ों के कचरे के ढेर को जला दिया जाता है या उनमें जानवर गंदा कर लोटते रहते हैं।गत दिवस ऐसा नजारा एक स्थान पर देखा गया जहां से पुराने कपड़े बटोर कर ले जा रहे थे। वहीं उस दीवार के पीछे बचे कपड़ों को जला दिया गया था। जिला प्रशासन और नगर निगम पुनः इस मामले में विचार करे कि ऐसे स्थान बने रहें या फिर उन्हें खत्म कर दिया जाए।

क्योंकि ऐसे स्थान उपयोगी तो रह नहीं गये अपितु गंदगी फैलाने के स्थान हो गये हैं।या फिर लोगों को प्रेरित करें कि वे अपने घर का अनुपयोगी सामान कबाड़ी को बेचने की जगह वहां रख जाएं और जरूरत मंद जिन्हें वास्तव में जरूरत है और वो उसे खरीद नहीं सकते हैं ले जाएं। क्योंकि सुना है कि दुआओं में बहुत असर होता है।

बिजली की मांग में कई गुना वृद्धि लेकिन सिस्टम वही 40 साल पुराना

जबलपुर, यशभारत। प्रदेश के प्रमुख शहरों में शामिल जबलपुर का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन विजयनगर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति आज भी चार दशक पुरानी व्यवस्था पर निर्भर है। वर्तमान में विजयनगर की आबादी एक लाख पार कर चुकी है और नए आवासीय प्रोजेक्ट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा अस्पतालों के बनने से बिजली की खपत कई गुना बढ़ गई है। नए कनेक्शन तो लगातार दिए गए, लेकिन बुनियादी ढांचे और ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में वृद्धि नहीं की गई। पुराने ट्रांसफॉर्मरों और ओवरलोडेड 33 केवी लाइनों पर अत्यधिक दबाव के कारण क्षेत्र में बार-बार ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और बिजली व्यवधान जैसी गंभीर समस्याएं बनी रहती हैं। विनोबा भावे और नयागांव सबस्टेशन पर निर्भरता के चलते एक भी लाइन में खराबी आने पर दर्जनों कॉलोनियों में अंधेरा छा जाता है।

भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में नए सबस्टेशनों का विस्तार तेजी से हुआ है, जबकि जबलपुर का विजयनगर क्षेत्र नए 132 केवी सबस्टेशन के इंतजार में है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और एमपी ट्रांसको की अनदेखी का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है।

डिजिटल दौर में भी फीकी नहीं पड़ी बाजारों की रौनक, धनतेरस पर राजधानी में 500 करोड़ का रिकॉर्ड व्यापार

भोपाल,यशभारत।

त्योहारी खरीदारी के इस दौर में जहां ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स लगातार छूट और लुभावने ऑफर दे रहे हैं, वहीं भोपाल के स्थानीय व्यापारियों ने धनतेरस पर साबित कर दिया कि असली भरोसा और रौनक शहर के अपने बाजारों में ही है। राजधानीवासियों ने ऑनलाइन क्लिक के बजाय शहर के सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजारों में खुद पहुंचकर खरीदारी करने को प्राथमिकता दी। व्यापारिक प्रतिनिधियों के अनुसार, धनतेरस के दिन भोपाल के प्रमुख सेक्टरों में ?500 करोड़ से भी अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया।

परंपरागत खरीदारी की चमक, सराफा में ?250 करोड़ तक का कारोबार-ग्राहकों के इस जबरदस्त रुख से स्थानीय व्यापारी



गदगद हैं। सराफा व्यापारी पदाधिकारियों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों ने शगुन के सिक्के, आभूषण और कीमती धातुओं की खरीदारी दिल खोलकर की, जिससे अकेले सराफा बाजार ?200 से ?250 करोड़ का कारोबार कर गया।

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में दिखा जबरदस्त उत्साह-वाहन डिलीवरी के लिए शोरूम्स पर सुबह से देर रात तक मेले जैसा माहौल रहा। धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर करीब 500 कारें और 2,000 दोपहिया वाहन बिके, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में ?120 से ?140 करोड़ का लेन-देन हुआ। वहीं, टीवी, फ्रिज और अन्य होम अप्लायंसेज के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ?40 से ?45 करोड़ की बिक्री हुई।

बर्तन, मिठाई और सजावटी सामान की भी जमकर बिक्री

किचन के बर्तनों और क्रॉकरी दुकानों पर गृहणियों की भारी भीड़ रही। बर्तन बाजार में ?10 से ?20 करोड़ और क्रॉकरी में ?3 से ?5 करोड़ का व्यापार हुआ। इसके साथ ही, सजावटी तोरण व लाइटिंग में लगभग ?30 करोड़ और मिष्ठान कारोबार में ?10 से ?15 करोड़ की बिक्री हुई। कैट के प्रतिनिधियों का कहना है कि धनतेरस पर स्थानीय दुकानों की इस बंपर बिक्री ने यह साबित कर दिया है कि त्योहारों का असली आनंद और भरोसा शहर की भौतिक दुकानों से खरीदारी करने में ही है।



घरों में नहीं, धरना स्थल पर जलाए उम्मीद के दीप! चयनित शिक्षकों की डीपीआई के सामने मनी दिवाली

भोपाल यश भारत।

दीपावली का पर्व जहां लोग अपने परिवारों के साथ खुशियां मना रहे थे, वहीं चयनित प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने डीपीआई कार्यालय के सामने धरना स्थल पर ही दीप जलाकर दिवाली मनाई। नियुक्ति की राह देख रहे इन अभ्यर्थियों ने अपने आंदोलन स्थल को ही दीपों से रोशन किया और सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी कर ली हैं, इसके बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि नियम क्रमांक 49 के प्रावधानों का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति दी जानी चाहिए। अभ्यर्थियों ने कहा कि नियुक्ति मिलने के बाद ही उनकी दीपावली की खुशियां पूरी होंगी। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से जल्द नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की।



हरी मिर्च और भुनी हुई मूंगफली की झन्नाटेदार चटनी खोल देगी सारे टेस्ट बड्स, मिनटों में तैयार होगी रेसिपी

नई दिल्ली, एजेंसी। *चटनी खाने में साइड डिश ज़रूर होती है लेकिन इसका स्वाद कभी कभी में डिश पर भारी पड़ता है। आज हम आपको मूंगफली की स्वाद से भरपूर चटनी की रेसिपी के बारे में बताएंगे। इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि आप इडली और डोसा इसके बिना खाएंगे ही नहीं। भुनी हुई मूंगफली की झन्नाटेदार चटनी आपके टेस्ट बड्स को खोल देती ह। इसे बनाना बेहद आसान होता है और मिनटों में तैयार हो जाती है। इसे आप इडली, डोसा के साथ ही नहीं बल्कि पराठे, रोटी या दाल-चावल के साथ खा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं ये स्वाद से भरपूर चटनी?*

मूंगफली की चटनी के लिए सामग्रीः

भुनी हुई मूंगफली आधा कप, 4-5 हरी मिर्च, 2 से 3 लहसुन की कलियाँ, आधा चम्मच नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, पानी ज़रूरत अनुसार

तड़के के लिए सामग्री

तेल 1 चम्मच, राई आधा छोटा चम्मच, उड़द दाल आधा छोटा चम्मच, करी पत्ता 5-6, सूखी लाल मिर्च 1-2

हरी मिर्च और भुनी हुई मूंगफली की चटनी बनाने की विधि?

पहला स्टेप- सबसे पहले एक पैन में धीमी आंच पर कच्चे मूंगफली को तब तक भूनें जब तक कि वे कुरकुरी न हो जाएं। ठंडा करके उसके छिल्के उतार लें। अब, एक मिक्सर जार में भुनी हुई मूंगफली, हरी मिर्च, लहसुन डालें और बारीक या दरदरा अपनी पसंद के अनुसार पीस लें। ध्यान रहे कि चटनी बहुत ज़्यादा पतली न हो। जब पीस जाए तो एक बाउल में निकालकर उसमें नींबू का रस और स्वाद अनुसार नमक मिलाएं

दूसरा स्टेप- अब एक छोटे पैन में तेल गरम कर उसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे, तो उसमें उड़द दाल और करी पत्ता डालें। उड़द दाल के हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अंत में सूखी लाल मिर्च डालें और फिर इस तैयार तड़के को तुरंत पीसी हुई चटनी के ऊपर डालें और अच्छी तरह मिला लें।

तीसरा स्टेप- आपकी झन्नाटेदार हरी मिर्च और भुनी हुई मूंगफली की चटनी तैयार है! इसे तुरंत गरमागरम इडली, डोसा, वड़ा, उत्तपम के साथ परोसें और इसके तीखे, चटपटे स्वाद का आनंद लें। यह चटनी फ्रिज में 3-4 दिनों तक ताज़ी रहती है।

आज खाने में बनाएं बेसन के चीला की स्वादिष्ट सब्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। *रोज-रोज क्या सब्जी बनाएं इसे लेकर ज्यादातर महिलाएं परेशान रहती है। कई बार घर में कोई सब्जी नहीं होती या वही एक जैसी सब्जियां खाने का मन नहीं करता है, ऐसे में आप बेसन के चीला की टेस्टी सब्जी बनाकर खा सकते हैं। बेसन के चीला की सब्जी दिखने में जितनी लजीज लगती है स्वाद में ये सब्जी उतनी ही बेहतरीन बनती है। खास बात ये है कि बेसन के चीला की सब्जी को आप किसी भी सीजन में बनाकर खा सकते हैं। इसे बनाना बेहद आसान है। जानिए बेसन के चीला की सब्जी कैसे बनाते हैं और क्या है ये रेसिपी।*



बेसन के चीला की सब्जी बनाने की रेसिपी

पहला स्टेप- करीब 1 कप बेसन लें और उसमें थोड़ी अजवाइन क्रश करके डाल दें। बेसन में थोड़ा जीरा पाउडर, कसूरी मेथी, नमक, हल्दी पाउडर और ताजा धनिया डालें। अब 1 कप के करीब पानी डालकर घोल तैयार कर लें।

दूसरा स्टेप- तवे पर घी लगाकर बेसन के घोल से चीला फैला दें। अब चीला को पलटते हुए रैप की तरह शेप दें। यानि एक साइड से पलटकर बीच में लाएं। फिर दूसरी साइड से भी पलटकर बीच में लाएं। अब दोनों साइड से पलटकर लंबा फोल्ड बनाकर उतार लें। इसी तरह सारे चीला सेंक लें।

तीसरा स्टेप- अब फोल्ड किए हुए चीला को बर्फी जैसे पीस में कट कर लें। इन्हें साइड में रख लें और एक कड़ाही में सब्जी के लिए ग्रेवी तैयार कर लें। इसके लिए पैन या कड़ाही में सरसों का तेल डालें। जीरा, हींग डालें और इसमें 10 कली लहसुन, 1 इंच अदरक और 2 प्याज को कद्दूकस करके या पीसकर डालें।

चौथा स्टेप- इसी में 3-4 हरी मिर्च काटकर डालें। करीब 2 मीडियम टमाटर को पीसकर ग्रेवी बना लें। प्याज भुनने के बाद पिसा टमाटर डालें और सारे सूखे मसाले जैसे धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, नमक और आमचूर पाउडर डालें। मसाले को तेल छोड़ने तक भून लें।

पांचवां स्टेप- अब मसाले में 2 कप पानी डालें और ग्रेवी में एक उबाल आने के बाद इसमें पीस किए हुए चीला को डाल दें। अब कवर करके सब्जी को 10 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें। सब्जी बनने के बाद गरम मसाला डालें और हरा धनिया डालकर सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं मलाई का पराठा, चीज पनीर का स्वाद भी लगेगा फीका, फटाफट नोट कर लें रेसिपी



नई दिल्ली, एजेंसी। पराठे ज्यादातर घरों में बनते हैं। आलू, प्याज, गोभी और पनीर के पराठे लोगों को खूब पसंद होते हैं। लेकिन क्या आपने कभी मलाई का पराठा खाया है। जी हां दूध में पड़ने वाली मलाई से पराठा भी बन जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि मलाई से पराठा कैसे बनता होगा और इसका स्वाद कैसे लगता होगा। मलाई का पराठा खाने में चीज और पनीर के पराठे से भी ज्यादा टेस्टी बनता है। जानिए मलाई पराठा की रेसिपी।

मलाई पराठा रेसिपी

पहला स्टेप- मलाई का पराठा बनाने के लिए गेहूं का आटा गूंथ लें। ध्यान रखें आपको पराठे के लिए एकदम नरम आटा गूथकर तैयार करना है। आटे 10 मिनट तक सेट होने के लिए रख दें।

दूसरा स्टेप- अब एक बाउल में मलाई लें। मलाई गाढ़ी होनी चाहिए और उसमें दूध बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। आप 1-2 दिन पुरानी मलाई का इस्तेमाल करें जो फ्रिज में रखने पर हल्की जम जाती है। मलाई को हल्का फेंट लें।

तीसरा स्टेप- अब आटे से 2 बराबर साइज की लोई लें। मीडियम पराठे के हिसाब से लोई का साइज़ रखें। एक लोई को रोटी जैसा बेल लें और प्लेट में रख लें। अब दूसरी लोई को भी रोटी जैसा बेल लें। अब एक लोई पर चम्मच से मलाई लगाएं।

चौथा स्टेप- मलाई के ऊपर पिसी चीनी या बूरा डालें। मिठास अपने हिसाब से रखें और ऊपर से इलायची पाउडर, पिस्ता बारीक कटे या ड्राई फ्रूट्स का पाउडर, नारियल पाउडर डालकर तैयार करें। अब जो दूसरी रोटी बेली हुई है उसे ऊपर से रखकर कॉर्नर को बंद कर दें।

पांचवां स्टेप- आप चाहें तो पराठे को 1-2 बार बेलन से हल्का और बढ़ा लें। अगर पराठा फटने का डर है तो ऐसे ही दोनों रोटियों को चिपकाकर तवे पर डालकर मीडियम फ्लेम पर पराठे को सेंक लें। मलाई पराठे को देसी घी में सेंक कर खाएं।

छठा स्टेप- ये पराठा खाने में इतना टेस्टी लगता है कि आपको किसी मिठाई की जरूरत नहीं होगी। एकदम मीठा और स्वाद से भरपूर मलाई पराठा बनकर तैयार है। बच्चों को इस तरह बना मलाई का पराठा खूब पसंद आता है।

प्याज का सिरका खाने में जोड़ता है एक्स फैक्टर, रेस्टोरेंट स्टाइल में घर पर ही बनाएं ये रेसिपी, झटपट नोट कर लें विधि

नई दिल्ली, एजेंसी। प्याज का सिरका सिर्फ एक साधारण सिरका नहीं, बल्कि स्वाद का एक पावरहाउस है जो आपके सलाद, मैरिनेड, सूप या किसी भी व्यंजन में एक लाजवाब ट्विस्ट ला सकता है। इसे बनाना बेहद आसान है और इसकी खुशबू और स्वाद आपके घर के किचन को एक नया आयाम देंगे। इसमें प्याज की प्राकृतिक मिठास और सिरके की खटास का एक बेहतरीन संतुलन होता है, जो खाने को एक अलग ही स्तर पर ले जाता है। तो, अगर आप अपने कुकिंग स्किल्स को अपग्रेड करना चाहते हैं और अपने खाने को यादगार बनाना चाहते हैं, तो यह रेस्टोरेंट स्टाइल प्याज का सिरका बनाना सीखें। आइए झटपट इसकी विधि नोट कर लें।



प्याज का सिरका के लिए सामग्री-

प्याज 2-3 प्याज, सफेद सिरका 2 कप, लहसुन 2-3, एक बीटरूट, दो हरी मिर्च

प्याज का सिरका बनाने की विधि-

पहला स्टेप- प्याज को छीलकर पतले स्लाइस में काट लें या छोटे क्यूब्स में काट लें। आप चाहें तो उन्हें थोड़ा मोटा भी काट सकते हैं। अब, एक कांच का जार लें जिसका ढक्कन कसकर बंद होता हो। कटे हुए प्याज को जार में डालें। अगर आप लहसुन, काली मिर्च या जड़ी-बूटियाँ डाल रहे हैं, तो उन्हें भी प्याज के साथ जार में डाल दें।

दुसरा स्टेप- जार में धीरे-धीरे सफेद सिरका डालें, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्याज पूरी तरह से सिरके में डूबे हुए हों। जार के ऊपर थोड़ा खाली स्थान छोड़ दें। जार का ढक्कन कसकर बंद कर दें।

तीसरा स्टेप- जार को ठंडी, जगह पर रखें। अगले 2-3 हफ़्तों के लिए इसे वहीं रखा रहने दें। हर कुछ दिनों में जार को धीरे से हिलाएं ताकि सामग्री अच्छी तरह से मिल जाए। 2-3 हफ़्तों के बाद, छलनी का उपयोग करके सिरके को छान लें। प्याज और अन्य ठोस सामग्री को हटा दें। तैयार प्याज के सिरके को एक साफ, बोतल में भर लें और ढक्कन कसकर बंद कर दें। आप इस सिरके का उपयोग सलाद ड्रेसिंग, मैरिनेड, सूप, स्टू और अन्य व्यंजनों में स्वाद बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। यह सब्जियों को अचार बनाने के लिए भी एक अच्छा विकल्प है। यदि आपको सिरके में कोई फंगस या असामान्य गंध दिखाई दे, तो इसका उपयोग न करें।

दिवाली से पहले अमूल ने बढ़ाए घी और बटर के दाम, 50 रुपये तक महंगा हुआ घी

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों से पहले आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। देश की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने घी और बटर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इससे दिवाली पर मिठाइयां और पकवान तैयार करने वाले परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित हो सकता है। घी की कीमत में सबसे ज्यादा 50 रुपये प्रति किलो तक की वृद्धि की गई है। वहीं, कीमतें बढ़ने के साथ गुजरात के कई शहरों में अमूल के गाय के घी की उपलब्धता को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। अमूल की नई दरों के अनुसार, एक किलो घी का कार्टन अब 680 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 630 रुपये थी। इस तरह एक किलो के पैक पर सीधे 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, 500 ग्राम प्योर घी के पाउच की कीमत 325 रुपये से बढ़ाकर 345 रुपये कर दी गई है। यानी इस पैक के लिए ग्राहकों को अब 20 रुपये अतिरिक्त खर्च करने होंगे। कंपनी ने बटर की कीमतों में भी इजाफा किया है। 100 ग्राम बटर का पैक अब 66 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 63 रुपये थी। इसी तरह 500 ग्राम बटर



की कीमत 310 रुपये से बढ़ाकर 325 रुपये कर दी गई है। इन बदलावों का असर उन परिवारों पर अधिक पड़ सकता है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के साथ त्योहारों पर भी घी और बटर की ज्यादा खरीदारी करते हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे बाजार में मांग बढ़ने और आपूर्ति पर दबाव को प्रमुख वजह बताया जा रहा है। गुजरात और राजस्थान में मिलावटी घी के खिलाफ कार्रवाई के बाद ग्राहकों का रुझान ब्रांडेड घी की ओर बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले छह महीनों में करीब दो लाख किलो नकली घी जब्त किया गया है। इसके बाद उपभोक्ताओं के बीच प्रमाणित कंपनियों के उत्पादों की मांग बढ़ने की बात कही जा रही है। त्योहारों के दौरान घी की खपत सामान्य दिनों की तुलना में बढ़ जाती है। मिठाइयों, नमकीन और पारंपरिक पकवानों को तैयार करने में इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। ऐसे में दिवाली से पहले मांग बढ़ने से बाजार में उपलब्धता पर दबाव पड़ा है। बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति के बीच कीमतों में हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा के कई इलाकों में अमूल के गाय के घी की कम आपूर्ति की शिकायतें भी सामने आई हैं। कुछ अमूल पार्लर संचालकों के अनुसार, उन्हें जरूरत के मुकाबले कम मात्रा में घी मिल रहा है। इससे ग्राहकों को मांग के अनुसार उत्पाद उपलब्ध कराने में परेशानी हो रही है। पुणे, कोलकाता और जम्मू-कश्मीर से भी पहले आपूर्ति संबंधी समस्याओं की खबरें सामने आ चुकी हैं।

अक्टूबर में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। मजबूत मांग के चलते कंपनियों को नए ऑर्डर मिले और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई। वहीं, लागत का दबाव कम होने से महंगाई के मोर्चे पर भी कुछ राहत के संकेत मिले हैं। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई। हालांकि, कंपनियां भविष्य की संभावनाओं को लेकर सतर्क रहीं और उन्होंने कर्मचारियों की भर्ती की रफ्तार भी धीमी रखी। मौसमी प्रभावों से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर के 55.2 से बढ़कर अक्टूबर में 55.8 पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीने का उच्चतम स्तर है। पीएमआई में 50 से अधिक अंक कारोबारी गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। अक्टूबर के आंकड़े बताते हैं कि सेवा क्षेत्र में मांग और कारोबारी परिस्थितियों में लगातार सुधार हो रहा है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अक्टूबर में सेवा पीएमआई बढ़कर 55.8 हो गया, जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। इस दौरान कारोबारी परिस्थितियों में सतर्कता के साथ सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि कुल मांग मजबूत बनी रही, लेकिन नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि की रफ्तार फरवरी 2023 के बाद सबसे धीमी रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने उत्पादन में बढ़ोतरी की प्रमुख वजह नए कारोबार और ऑर्डर में वृद्धि को बताया। मांग की अनुकूल परिस्थितियों, नए ग्राहकों के जुड़ने और विज्ञापन अभियानों की सफलता से कंपनियों को अतिरिक्त कारोबार मिला। इससे सेवा क्षेत्र की गतिविधियों को मजबूती मिली और कारोबारी माहौल में सुधार दर्ज किया गया।

नवंबर से लागू हुए कई वित्तीय बदलाव पेंशनर्स और निवेशकों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर की शुरुआत के साथ ही देश में कई महत्वपूर्ण वित्तीय नियमों में बदलाव लागू हो गए हैं। इनका असर पेंशनभोगियों, म्यूचुअल फंड निवेशकों, बैंक ग्राहकों, कारोबारियों और करदाताओं पर पड़ेगा। नए प्रावधानों में जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की समय-सीमा, म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट प्लान, बैंकिंग शुल्क, आयकर रिटर्न और जीएसटी से जुड़े नियम शामिल हैं। ऐसे में लोगों के लिए इन बदलावों की जानकारी रखना जरूरी है, ताकि समय पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा सके और अतिरिक्त शुल्क या अन्य परेशानी से बचा जा सके। सरकारी पेंशन पाने वाले 80 वर्ष से कम उम्र के पेंशनभोगियों को 1 से 30 नवंबर के बीच अपना जीवन प्रमाण पत्र यानी



लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होगा। वहीं, 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पेंशनभोगियों के लिए यह प्रक्रिया 1 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। निर्धारित अवधि में प्रमाण पत्र जमा नहीं करने पर पेंशन भुगतान प्रभावित हो सकता है। इसलिए पेंशनभोगियों को समय-सीमा का ध्यान रखने की जरूरत है। जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए पेंशनभोगियों को बैंक शाखा जाने के अलावा डिजिटल माध्यमों का विकल्प भी उपलब्ध है। इसे जीवन प्रमाण ऐप के जरिए ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। इसके साथ ही डोरस्टेप बैंकिंग की सुविधा के माध्यम से भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बुजुर्ग और ऐसे पेंशनभोगियों को सहूलियत मिल सकती है, जिन्हें बैंक तक पहुंचने में परेशानी होती है। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भी नवंबर से नया बदलाव लागू हुआ है। अब म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइट और ऐप पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प के रूप में उपलब्ध होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य निवेशकों को कम कमीशन वाले और अपेक्षाकृत कम लागत के निवेश विकल्पों की ओर प्रोत्साहित करना है। हालांकि, पहले से किए गए निवेश और मौजूदा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर इस बदलाव का असर नहीं पड़ेगा।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को एएमएफआई ने दिए दीर्घकालिक निवेश के तीन मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। नए संवत की शुरुआत पर एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकट एन. चलसानी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए निवेश के तीन महत्वपूर्ण मंत्र साझा किए हैं। उन्होंने निवेशकों को दीर्घकालिक लक्ष्य तय करने, निवेश में अनुशासन बनाए रखने और बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जारी रखने की सलाह दी। उनका कहना है कि निवेश को स्पष्ट उद्देश्य से जोड़ना और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। चलसानी ने कहा कि निवेशकों को बाजार के रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव के बजाय लंबी अवधि के लक्ष्यों पर ध्यान देना चाहिए। बाजार में तेजी या गिरावट के आधार पर बार-बार निवेश की रणनीति बदलने से बचना चाहिए। उनके अनुसार, निवेश का फैसला जल्दबाजी में लेने के बजाय तय लक्ष्य और समयावधि को ध्यान में रखकर करना अधिक उपयोगी हो सकता है। उन्होंने विशेष रूप से बाजार में गिरावट के दौरान भी एसआईपी जारी रखने पर जोर



दिया। एसआईपी के माध्यम से निवेशक नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। बाजार में कीमतें कम होने पर उसी राशि में अधिक यूनिट मिलती हैं, जबकि कीमतें बढ़ने पर कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इससे समय के साथ खरीद की औसत लागत संतुलित करने में मदद मिल सकती है। चलसानी ने एसआईपी की इस प्रक्रिया को ऑनलाइन सेल में खरीदारी से जोड़कर समझाया। जिस तरह छूट के दौरान समान रकम में अधिक सामान खरीदा जा सकता है, उसी तरह बाजार में गिरावट के समय निवेश की निश्चित राशि से अधिक यूनिट मिल सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एसआईपी से मिलने वाले रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती और निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन रहता है। वित्तीय जानकारों के अनुसार, म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को कम से कम पांच साल का नजरिया रखना चाहिए। दो से तीन साल की अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव होना सामान्य है। ऐसे में केवल कुछ समय के प्रदर्शन को देखकर निवेश से बाहर निकलने या रणनीति बदलने का फैसला करना नुकसानदेह हो सकता है। एएमएफआई के सीईओ ने भारत की अर्थव्यवस्था की विकास संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए अवसर उभर रहे हैं। देश की युवा आबादी, नियंत्रित महंगाई और बढ़ती खपत जैसे कारक आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो सकते हैं। चलसानी ने निवेशकों से भारत की विकास यात्रा पर भरोसा बनाए रखने और इसमें निवेश के माध्यम से भागीदारी जारी रखने का आग्रह किया। उनके अनुसार, निवेशकों को बाजार की हर तेजी और गिरावट पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। दीर्घकालिक योजना, नियमित निवेश और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना ही उनके संदेश के तीन प्रमुख आधार हैं।

अनिश्चितताओं से घिरा रहा है सैमसन का करियर



मुम्बई (यशभारत)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी आज तक भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण निरंतरता की कमी को बताया जाता है। वहीं कई दिग्गजों कहना है कि इस अनिश्चितता के पीछे केवल उनका प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। इसमें ये भी रहा कि हमेशा उनका क्रम बदला गया जिससे वह किसी भी क्रम पर अपने को स्थापित नहीं कर पाये।

उन्हें कभी पारी की शुरुआत करने भेजा गया, कभी तीसरे नंबर पर, तो कभी मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी। यह निरंतर बदलाव किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी लय खोजना मुश्किल बना देता है। इस अस्थिरता के कारण वह खुलकर नहीं खेल पाये क्योंकि उन्हें हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार अपनी भूमिका बदलनी पड़ी है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि संजू एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और सोशल मीडिया पर अन्य खिलाड़ियों की तरह सक्रिय नहीं रहते। इसी कारण शायद उन्हें मीडिया और पूर्व क्रिकेटरों से वह मजबूत समर्थन नहीं मिलता जो कुछ अन्य युवा खिलाड़ियों को मिलता है। हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर उनके शानदार अर्धशतक के बावजूद, कुछ ही खराब मैचों के बाद उनके करियर पर फिर से सवाल उठने लगे थे। वहीं, देखा गया है कि कुछ अन्य खिलाड़ियों को शुरुआती विफलताओं के बावजूद लगातार मौके मिलते रहते हैं, और एक बड़ी पारी उनकी पिछली कमियों को आसानी से ढक देती है। यह तुलना संजू पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालती है। जब कोई खिलाड़ी एक अर्धशतक लगाकर मैच जिताता है, तो उसके लिए उतनी चर्चा नहीं होती, जबकि किसी अन्य खिलाड़ी के लिए कुछ पूर्व क्रिकेटर सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ करते हैं। यह स्थिति संजू को मानसिक रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे उनके खेल पर भी असर पड़ता है। यह बड़ा सवाल है कि संजू को ही क्यों हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाया जाता है, जबकि अन्य खिलाड़ियों को उनके पसंदीदा स्थान पर खेलने का अवसर मिलता है। टीम प्रबंधन और क्रिकेट विशेषज्ञ अक्सर संजू के एक खराब मैच के बाद उन्हें बाहर करने की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि उन्हें भारतीय टीम में वह समर्थन और स्थिरता क्यों नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। आखिर कोई खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे दे पाएगा, जब उसके दिमाग में यह चल रहा हो कि अगले मैच में उसे बाहर बैठना पड़ सकता है या उसका बल्लेबाजी क्रम बदला जा सकता है? उनकी प्रतिभा निर्विवाद है, लेकिन उन्हें एक स्थिर मंच और अटूट समर्थन की आवश्यकता है ताकि वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें।

शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आंखिरकार टेस्ट रि केट से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के सा ही शमी का 13 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो गया। वह हालांकि एकदिवसीय ओर टी20 प्रारुप खेलते रहेंगे। शमी के टेस्ट से संन्यास के फैसले पर प्रशंसक भावुक हो गये और उन्होंने उनके अमूल्य योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर उनकी इस खबर से निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। 13 सालों तक अपनी गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के दिलों में डर पैदा करने वाले शमी के इस फैसले से निराश उनके प्रशंसकों ने कहा कि आजा शायद आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। साथ ही कहा, 'आपके योगदान को भारत और क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूलेंगे।'

गौरतलब है कि 36 साल के शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। आखिरकार उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एकदवसीय और टी-20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, शमी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका सिर्फ एक ही सपना था कि देश के लिए कुछ कर दिखाना। उन्होंने आगे लिखा कि इसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट को अपनी



जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताते हुए उन्होंने भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ अलविदा कहने की बात कही।

शमी के टेस्ट करियर का सफर आंकड़ों और शानदार स्पेल की एक अनूठी दास्तान रहा है। 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले शमी ने 13 साल के लंबे सफर में भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 27.71 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से कुल 229 विकेट अपने नाम किए। अपने इस सफल टेस्ट करियर के दौरान, उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने का कारनामा किया।

शमी की सबसे बड़ी खासियत नयी और पुरानी दोनों गेंदों से सीम और स्विंग हासिल करने की अद्भुत क्षमता थी। जिसके बल पर वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे मजबूत स्तंभ बने और विदेशी पिचों पर भी अपनी एक अलग और खास पहचान बनाई। खासतौर पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अपनी ही धरती पर शमी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहाँ उन्होंने 35 टेस्ट मैचों में 25 से भी कम की शानदार औसत से 131 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की उछालभरी और तेज पिचों पर शमी का प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जोहानिसबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में शमी ने सिर्फ28 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफलंदन के द ओवल मैदान पर आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में खेला था। इसके बाद लगातार चोटों और फिटनेस समस्याओं के कारण उनका टेस्ट करियर प्रभावित रहा और वे टीम से दूर होते चले गए।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस) महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने



मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई। वहीं भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा।वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

हैरी केन अब साल 2029 तक बायर्न म्यूनिख में ही रहेंगे

सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन का जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख क्लब के साथ करार साल 2029 तक बढ़ गया है। इससे अब केन यूरोपीय फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं जिन्हें सबसे अधिक वेतन मिलता है। इस सूची में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज शामिल हैं। नये करार के साथ ही केन को प्रति सप्ताह 4 लाख पाउंड से अधिक का वेतन मिलेगा। इस समझौते के साथ ही केन के क्लब छोड़कर कहीं और जाने की अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। गौरतलब है कि केन साल 2023 में टोटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में आये थे, जहां उनका चार साल का करार समाप्त होने जा रहा था। वहीं अब क्लब ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण को देखते हुए उनका करार बढ़ा दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब वह वेतन के मामले में



किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गये हैं। गौरतलब है कि केन के लिए पिछला सत्र बेहद खास रहा, जहां उन्होंने 73 गोल दागकर प्रतिष्ठित , बैलन डीओर जीता। वह 25 साल में यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने। बायर्न ने उनके आने के बाद से ही बुंडेसलीगा का खिताब भी जीता और पिछले सत्र में जर्मन कप भी हासिल किया, जिससे केन के करियर में खिताबों का सूखा खत्म हुआ। उन्होंने जर्मनी की शीर्ष फुटबॉल लीग में सिर्फ98 मैचों में 100 गोल पूरे किए, जो इस उपलब्धि तक पहुंचने का सबसे तेज रिकॉर्ड है।

रंग संसार

एआई का ऐसा इस्तेमाल परेशान करने वाला: श्रेया सरन



मुंबई (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानि एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर अभिनेत्री श्रेया सरन ने भी चिंता जताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि एआई तकनीक का दुरुपयोग लोगों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकता है। श्रेया सरन के मुताबिक, एआई के जरिए तस्वीरों में इस तरह बदलाव किए जाते हैं कि वास्तविक व्यक्ति की छवि ही बदल जाती है। कई बार कपड़ों और शरीर के आकार तक में आपत्तिजनक बदलाव कर दिए जाते हैं। एक साक्षात्कार में श्रेया सरन ने बताया कि उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ भी इस तरह की छेड़छाड़ देखी है। अभिनेत्री के अनुसार, कुछ तस्वीरों में शरीर के अंगों का आकार बदल दिया जाता है, जबकि कुछ में कपड़ों को हटाकर, अश्लील रूप देने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि कई बार तस्वीर इतनी बदल दी जाती है कि उन्हें खुद भी समझने में कठिनाई होती है कि उसमें दिखाई देने वाली महिला वास्तव में वही हैं या नहीं।



श्रेया ने स्वीकार किया कि ऐसी सामग्री सामने आने पर कई बार उसे नजरअंदाज करना पड़ता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य है। उन्होंने इसे परेशान करने वाला बताया और कहा कि एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। उनके अनुसार, तकनीक के अनेक सकारात्मक पहलू हैं और इसका उपयोग लोगों की मदद करने तथा रचनात्मक कामों को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, गलत इस्तेमाल से नुकसान भी हो सकता है। यह मुद्दा अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के गाने 'चुट्टमल्ले' के एआई से बदले गए वीडियो को लेकर हुए विवाद के बाद फिर चर्चा में आया। यह गीत फिल्म 'देवराः पार्ट 1' का है, जिसमें जाह्नवी कपूर के साथ जूनियर एनटीआर दिखाई दिए थे। रिपोर्टों के अनुसार, वायरल किए गए बदले हुए वीडियो में अभिनेत्री की छवि को आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। जाह्नवी ने 4 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर इस घटना की निंदा की थी। जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू सुंदर समेत कई कलाकारों ने भी उनका समर्थन किया था।

अभिनेता नहीं स्क्रिप्ट देख करती हूं फिल्में- सैयामी खेर

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में अपने फिल्मी सफर के 10 साल पूरे होने पर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही दो बड़ी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे, क्योंकि उनके लिए अभिनेता या निर्देशक से ज्यादा स्क्रिप्ट मायने रखती है। सैयामी खेर ने बताया कि मिर्जया की रिलीज से पहले ही उन्हें ये बड़ी फिल्में ऑफर हुई थीं, लेकिन उन्होंने दोनों ही प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि उस वक्त वह इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं, और इसके बावजूद उन्हें वो रोल्स ठुकराने में कोई मुश्किल नहीं हुई। उनका कहना था कि उन्हें फिल्म के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि हीरो के साथ 2 सीन करने हैं, उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट तक ऑफर नहीं की गई थी, जिसकी वजह से उन्हें ये ऑफर रिजेक्ट करने में कोई खास मुश्किल नहीं हुई। यह फैसला उनके सिद्धांत को दर्शाता है कि वह बड़े बजट की फिल्मों में छोटे हिस्से करने के बजाय छोटी फिल्म में बड़ा और अहम किरदार करना पसंद करती हैं, जहां स्क्रीन टाइम से ज्यादा किरदार की गहराई मायने रखती है। सैयामी खेर का फिल्म इंडस्ट्री से पुराना नाता रहा है; उनकी दादी उषा किरण मराठी इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस थीं और वह दिग्गज एक्ट्रेस तन्वी आजमी की रिश्तेदार हैं।



हालांकि, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाना उनके लिए भी आसान नहीं रहा। सैयामी ने बताया कि करियर में आगे बढ़ने के लिए लोग उन्हें किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करने की सलाह देते थे, और यहां तक कि उन्हें लिप जॉब कराने की सलाह भी दी जाती थी। इन चुनौतियों के बावजूद, सैयामी अपने दृढ़ संकल्प पर अडिग रहीं और उन्होंने अपनी प्रतिभा और पसंद के साथ कोई समझौता नहीं किया। एक्ट्रेस ने मेल को-स्टार्स की असुरक्षा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि कुछ बड़े सितारे अपने सामने मौजूद एक्ट्रेस को रिएक्शन देने का भी पर्याप्त समय नहीं देते हैं, जिससे अभिनय पर असर पड़ता है।





रश्मिका मंदाना की मैसा में दिखेगा बाप-बेटी का अनोखा रिश्ता

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। इस फिल्म में रश्मिका एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से काफी अलग है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और सिर्फ जबरदस्त एक्शन ही नहीं, बल्कि एक पिता और बेटी के गहरे भावनात्मक रिश्ते को भी पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म के पहले गाने ओ मैसा रे की घोषणा के साथ ही इसका एक आकर्षक पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में आग की लपटों के बीच एक प्रभावशाली सिल्हूट दिखाई दे रहा है, जो गाने के जोशीले अंदाज और फिल्म के एक्शन से भरपूर माहौल की स्पष्ट झलक देता है। इस गाने को मशहूर संगीतकार जैक्स बिजॉय ने कंपोज किया है। मेकर्स को उम्मीद है कि इसका संगीत फिल्म की कहानी और उसके देसी, प्रामाणिक अंदाज को एक अलग पहचान देगा, जिससे दर्शक भावनात्मक रूप से जुड़ पाएंगे।

मैसा की कहानी भारतीय सिनेमा में एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश करती है। जहां बाहुबली और केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में मां-बेटे के रिश्ते को कहानी का एक अहम हिस्सा बनाया गया है, वहीं मैसा में पिता और बेटी के बीच के असाधारण जुड़ाव को केंद्र में रखा गया है।

नुसरत की आवाज में था आरडी बर्मन के निधन का दर्द: शेखर कपूर

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में अपनी चर्चित फिल्म बैंडिट क्वीन से जुड़ी एक अविस्मरणीय याद फिल्ममेकर शेखर कपूर ने साझा की है। इसमें शेखर कपूर ने मशहूर पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान की अद्वितीय कला और उनकी गहरी संवेदनशीलता का जिक्र है। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग के दौरान, नुसरत फतेह अली खान की आवाज में सिर्फ सुर नहीं, बल्कि दर्द और आंसू भी थे। इस भावनात्मक उथल-पुथल की वजह उस समय संगीतकार आरडी बर्मन का निधन था, जिनसे नुसरत बहुत प्रभावित थे और उनके संगीत के बड़े प्रशंसक थे। आरडी बर्मन के आकस्मिक निधन से नुसरत फतेह अली खान बहुत दुखी थे, और यह दुख उनकी गायकी में स्पष्ट रूप से झलक रहा था। शेखर कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस पुराने और भावुक किस्से को साझा करते हुए बताया, बैंडिट क्वीन के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग चल रही थी। इसी दौरान नुसरत फतेह अली खान ने मुझसे



एक ऐसी बात कही, जो मेरे लिए अब तक की सबसे अजीब रिक्वेस्ट थी। शेखर ने बताया कि नुसरत ने उनसे कहा, 'शेखर जी, आप अपनी फिल्म देखिए और मैं आपकी आंखों में देखकर गाऊंगा।' यह अनुरोध शेखर के लिए अप्रत्याशित था। उन्होंने आगे बताया, दरअसल, जिस सीन के लिए रिकॉर्डिंग हो रही थी, वह फिल्म में बेहमई नरसंहार के बाद का हिस्सा था। इस सीन में कतार में बनी चिताएं दिखाई गई थीं और नदी किनारे महिलाओं के रोने और विलाप करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। यह एक बहुत ही हृदय विदारक और गंभीर दृश्य था, जिसकी संवेदनशीलता को संगीत के माध्यम से व्यक्त करना आवश्यक था। शेखर ने आगे बताया, जब रिकॉर्डिंग शुरू हुई तो मैंने देखा कि नुसरत मेरी आंखों में देख रहे थे। वह सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि मेरी आंखों में जैसे कुछ तलाश रहे थे। उस पल मुझे महसूस हुआ कि नुसरत जानते थे कि मैं भी आर. डी. बर्मन के काफी करीब था। शेखर ने याद किया कि आर. डी. बर्मन ने उनकी पहली फिल्म मासूम का संगीत तैयार किया था, जिससे उनके और आरडी बर्मन के बीच भी एक गहरा रिश्ता था।

'कलेक्टर का सख्त एक्शन: ई-अटेंडेंस नहीं तो वेतन नहीं, स्कूल से गायब शिक्षक होंगे टर्मिनेट '



यश भारत, बैतूल। बैतूल कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। जिन विद्यालयों में परीक्षा परिणाम कमजोर रहे हैं, वहां विशेष शैक्षणिक गतिविधियां संचालित कर सुधार लाया जाए।

उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने, ड्रॉप आउट रोकने तथा बच्चों के सीखने के स्तर पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

नामांकन में प्रगति लाने के दिए निर्देश

बैठक में उन्होंने जिले के शासकीय विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, गणवेश वितरण, साइकिल वितरण की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की नामांकन प्रगति की समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले विद्यालयों पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित कर लक्ष्य अनुसार प्रगति लाई जाए। अपार आईडी की समीक्षा के दौरान कम प्रगति पर उन्होंने एपीसी जिला शिक्षा केंद्र का वेतन आहरण नहीं करने के निर्देश दिए। वहीं ड्रॉप बॉक्स में बच्चों की स्थिति पर भीमपुर बीआरसी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही भैंसदेही, बैतूल और भीमपुर द्वारा तीन दिन में प्रगति नहीं लाने पर वेतन काटने के भी निर्देश दिए। निशुल्क साइकिल वितरण की समीक्षा के दौरान प्रभात पट्टन और चिचोली में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त कर प्रगति लाने के निर्देश दिए।

ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों के वेतन रोकने के निर्देश

उन्होंने शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस लगाने के आंकड़ों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों के वेतन रोकने के सख्त निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने स्कूल नहीं आने वाले शिक्षकों को टर्मिनेट किए जाने के निर्देश दिए। इसके लिए डीपीसी, बीआरसी को लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती वत्सला शिवहरे, जिला शिक्षा अधिकारी पूनम वरकड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धनतेरस पर बैतूल के ग्रामीणों को मिली सबसे बड़ी सौगात

घर की पक्की रजिस्ट्री से अब बैंक लोन भी मिलेगा, 45 हजार दस्तावेजों का पंजीयन पूर्ण



यश भारत, बैतूल। बैतूल स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 के तहत धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को बैतूल जिले के 6 चयनित ग्रामों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पात्र हितग्राहियों के आवासीय भूखंडों के स्वामित्व अधिकार अभिलेखों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराया गया। इसी क्रम में बैतूल विकासखंड के ग्राम साकादेही में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उईके की उपस्थिति में पंजीयन कार्य शत प्रतिशत संपन्न किया गया।

कार्यक्रम में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह, तहसीलदार डॉली रायकवार, नितिन बारस्कर, माधवराव मानकर, बबलू नागले, सोनू धुर्वे, ओम मालवीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री बोले- ग्रामीणों को मिल रहा संपत्ति का कानूनी अधिकार

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक प्रदान किया जा रहा है। यह योजना ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण और उनके सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीणों के पास मकान होने के बावजूद वैधानिक दस्तावेज नहीं होने से बैंक से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई होती थी। अब पक्की रजिस्ट्री मिलने से ग्रामीण अपनी संपत्ति के आधार पर बैंक ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही संपत्ति के क्रय-विक्रय सहित विभिन्न कार्यों में भी उन्हें सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री उईके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के सुख-दुख की चिंता करते हुए उनके कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। विधायक हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में बैतूल जिला विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्वामित्व पंजीयन कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे एवं जिला प्रशासन की पूरी टीम की सराहना की।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामीणों को उनकी आबादी भूमि पर मालिकाना हक दिलाने की महत्वपूर्ण सौगात दी है। अब योजना के तहत पात्र ग्रामीणों को निःशुल्क पक्की रजिस्ट्री का लाभ मिल रहा है, जिससे उन्हें अपनी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा।

1 लाख 15 हजार का लक्ष्य, 45 हजार रजिस्ट्री पूर्ण

कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बताया कि पात्र हितग्राहियों के स्वामित्व पट्टों का पंजीयन निःशुल्क किया जा रहा है। रजिस्ट्री पर लगने वाली स्टाम्प ड्यूटी, पंजीयन शुल्क एवं पंचायत उपकर का व्यय मध्यप्रदेश शासन द्वारा वहन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राजस्व अमले एवं पटवारियों के निरंतर परिश्रम से जिले में कुल 1 लाख 15 हजार रजिस्ट्री के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 45 हजार रजिस्ट्री का पंजीयन किया जा चुका है। वहीं बैतूल तहसील के 157 ग्रामों में कुल 15 हजार 684 प्लॉट के विरुद्ध 6 हजार से अधिक रजिस्ट्री का पंजीयन पूर्ण किया जा चुका है। बैतूल तहसील के 10 ग्रामों

खेती की बटाई बनी खूनी रंजिश: लातों से पीट-पीटकर अधेड़ की हत्या, आरोपी जेल भेजा '

यश भारत, आमला / बैतूल आमला पुरानी रंजिश और खेती के विवाद में अधेड़ की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आमला थाना क्षेत्र के ग्राम जंबाड़ा में मारपीट कर अधेड़ की हत्या कर दी गई थी। घटना करीब एक माह पुरानी है। आमला पुलिस ने मर्ग जांच के बाद इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने बताया कि 4 अक्टूबर को ग्राम जंबाड़ा में खेती की बटाई को लेकर आरोपी ओमप्रकाश उर्फ मुन्ना देशमुख एवं मृतक चंद्रभान माथनकर के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान आरोपी द्वारा मृतक को अश्लील गाली-गलौज की गई। इस पर मृतक की पत्नी कमला बाई द्वारा गाली देने से मना करने पर आरोपी ने उसके साथ हाथ-मुक्कों



से मारपीट कर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद आरोपी ने आक्रोशित होकर चंद्रभान माथनकर की छाती पर जान से मारने की नीयत से 2-3 लातें मारीं, जिससे वह बेहोश होकर गिर गया।

मर्ग जांच के बाद अपराध दर्ज

सूचना पर थाना आमला में मर्ग कायम कर जांच की गई। जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर धारा 296(बी), 115(2), 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश उर्फ मुन्ना पिता देवराव देशमुख निवासी ग्राम जंबाड़ा को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस प्रकरण में कार्रवाई करने में थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर, उप निरीक्षक मोहनलाल गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर ठाकुर तथा आरक्षक ओमप्रकाश नागोतिया, नरेंद्र

मंडी जाते वक्त पलटा मक्के से भरा ट्रैक्टर, 30 साल के युवक की दर्दनाक मौत '

यश भारत, बैतूल। बैतूल मक्का से भरा ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत हो गई। वह उपज लेकर मंडी जा रहा था। कृषि उपज मंडी में मक्का ले जाते हुए यह हादसा हुआ। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

बैतूल जिले के भैंसदेही थाना क्षेत्र के ग्राम पोहर में ट्रैक्टर पलटने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पोहर निवासी सुभाष उइके उम्र 30 वर्ष ट्रैक्टर से मक्का लेकर मंडी जा रहा था। गाँव के ही पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को उपचार के लिए भैंसदेही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक का शुक्रवार

बाजार में जमकर हुई धनवर्षा

धनतेरस पर 25 करोड़ के कारोबार की उम्मीद
शाम होते ही दुकानों पर उमडी लोगों की भीड़

बर्तन, सराफा, इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रानिक्स पहली पसंद
दुपहिया वाहनों के शो रूम में भी मेला

कटनी, यशभारत। धनतेरस के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरूआत हो गई है। धनतेरस के साथ ही आज धनवंतरि जयंती भी मनाई जा रही है। शाम होते ही घर-घर भगवान धनवंतरि की पूजा की जाएगी। धनतेरस पर आज मालव्य राजयोग है, जिसे ज्योतिष शास्त्र में अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन हस्त नक्षत्र और विष्कुंभ योग भी रहेगा। पर्व पर कुछ न कुछ खरीदने की परंपरा सालों से चली आ रही है, जिसका निर्वहन आज भी किया जाएगा। धनतेरस के लिए शहर का बाजार सजकर गुलजार हो गया है। बाजारों में सुबह से ही लोगों की भीड़ नजर आ रही है। खरीददारी का सिलसिला शाम से शुरू होकर देर रात तक चलता रहेगा। सबसे ज्यादा भीड़ बर्तन और सराफा बाजार में नजर आएगी। आर्थिक मंदी और महंगाई के बाद भी व्यापारियों को इस बार अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। धनतेरस के बाद कल 7 नवंबर को नरक चतुर्दशी एवं परसों 8 नवंबर को रोशनी का महापर्व दीपावली का पर्व मनाया जाएगा।

ग्राहकों को लुभाने कैशबैक ऑफर

धनतेरस के चलते बाजारों में बर्तन, आभूषण, कपड़ा आदि की दुकानें



सजकर तैयार हो गई हैं। दुकानदारों को भी अब धनवर्षा का इंतजार है। धनतेरस एवं दीपावली को लेकर बाजार गुलजार हो गया है। लोगों ने खरीदारी भी शुरू कर दी है। इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियों की तरफ से कैशबैक ऑफर व फाइनेंस की सुविधा दी जा रही है। ग्राहक टीवी, फ्रिज से लेकर एसी, कूलर की खरीदारी कर रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक इस बार पिछले साल की अपेक्षा अधिक



कारोबार होने की उम्मीद है। बाजार में रौनक से दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान भी आ गई है।

आस्था के आगे घुटने टेक रही महंगाई

आस्था के आगे महंगाई घुटने टेक रही है। दीवाली की खरीदारी को लेकर लोगों में उत्सुकता देखी जा रही है। टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन के अलावा मोबाइल समेत अन्य सामानों की खरीद लोगों ने करनी शुरू कर दी है। कुछ



लोग धनतेरस पर फ्रिज, मोबाइल समेत अन्य सामान खरीदने के लिए बुकिंग भी करा रहे हैं। दुकानों में सजे हुए उत्पाद अब ग्राहकों को लुभा रहे हैं। श्रीराम जेम्स एंड ज्वैलर्स के संचालक आशीष सोनी, अभिषेक सोनी ने बताया कि धनतेरस पर सोने-चांदी के सिक्कों में बने गणेश-लक्ष्मी की बिक्री होती है। इसको लेकर ग्राहकों की पसंद का भी ख्याल रखा गया है। तिरूमाला ज्वैलर्स के संचालक आशीष जायसवाल एवं रूपम ज्वैलर्स के संचालक सुनील सोनी ने बताया कि सोने चांदी की कीमतों में बढ़ोत्तरी के

करोड़ों का सांदीपनि विद्यालय, लेकिन सुविधाएं बदहाल!

1500 विद्यार्थियों की सुरक्षा दांव पर, बदबूदार शौचालय से लेकर अधूरी बिजली व्यवस्था तक उठे गंभीर सवाल







शाहनगर (पन्ना), यशभारत। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार संदीपनी उत्कृष्ट विद्यालय का बहुमंजिला भवन भले ही शिक्षा के बेहतर भविष्य की तस्वीर पेश करता हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। कहीं पानी के अभाव में शौचालय बदहाल हैं, तो कहीं विद्युत व्यवस्था अधूरी होने से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इतना ही नहीं, तीसरी मंजिल पर बिना सुरक्षा उपकरणों के पुताई कराए जाने का वीडियो भी सामने आया है। ऐसे में करीब 1500 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है।

बदबूदार शौचालय, पानी की कमी से विद्यार्थी परेशान- शाहनगर स्थित इस विद्यालय में ग्राउंड फ्लोर से लेकर तीसरी मंजिल तक कक्षाएं संचालित हो रही हैं। यहां लगभग 1500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन पर्याप्त पानी की उपलब्धता नहीं होने के कारण शौचालयों की स्थिति खराब बनी हुई है। शौचालयों से उठती दुर्गंध विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सवाल यह है कि करोड़ों की लागत से बने भवन में स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधा भी सुनिश्चित क्यों नहीं हो पा रही है?

शॉर्ट सर्किट की घटना ने खोली विद्युत व्यवस्था की पोल- विद्यालय की विद्युत व्यवस्था भी चिंता का विषय बनी हुई है। करीब एक सप्ताह पहले भवन के ग्राउंड फ्लोर और तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की सूचना सामने आई थी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इसने भवन की विद्युत सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संबंध में निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसी श्री साईं इंफ्रास्ट्रक्चर के इंजीनियर पारस गोयल ने बताया कि पीआईयू विभाग से राशि प्राप्त नहीं होने के कारण विद्युत सप्लाई का कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। उनके बयान से स्पष्ट है कि भुगतान संबंधी समस्या के चलते बिजली व्यवस्था का काम प्रभावित हो रहा है।

तीसरी मंजिल पर बिना सुरक्षा पुताई, श्रमिकों की जान जोखिम में!- मामला केवल विद्यार्थियों की सुविधाओं तक सीमित नहीं है। विद्यालय की बाहरी दीवारों पर पुताई करते युवकों का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें युवक तीसरी मंजिल पर बिना किसी स्पष्ट सुरक्षा उपकरण और सुरक्षा इंतजाम के काम करते दिखाई दे रहे हैं। इतनी ऊंचाई पर बिना सुरक्षा व्यवस्था के काम कराया जाना श्रमिकों की जान के साथ खिलवाड़ जैसा है। सामने आई जानकारी के अनुसार, इस लापरवाही के लिए संबंधित ठेकेदार को जिम्मेदार बताया गया है।

जिम्मेदार विभागों से सीधे सवाल- अब सवाल यह है कि जब विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित हो रही हैं और लगभग 1500 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं, तो उनकी सुरक्षा और सुविधाओं की जिम्मेदारी कौन सुनिश्चित करेगा? करोड़ों रुपये के भवन में स्वच्छ शौचालय और पर्याप्त पानी की व्यवस्था क्यों नहीं है?

विद्युत सप्लाई का कार्य अधूरा होने के बावजूद कक्षाएं कैसे संचालित की जा रही हैं?- शॉर्ट सर्किट की घटना के बाद विद्युत सुरक्षा को लेकर क्या कदम उठाए गए? तीसरी मंजिल पर बिना सुरक्षा उपकरणों के पुताई कराने वाले ठेकेदार पर क्या कार्रवाई होगी?

विद्यार्थियों और श्रमिकों की सुरक्षा की जवाबदेही आखिर किसकी है?- करोड़ों रुपये खर्च कर भव्य भवन खड़ा कर देना ही उत्कृष्ट विद्यालय की पहचान नहीं हो सकती। असली उत्कृष्टता तब है, जब विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण, पर्याप्त पानी, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलें। अब निगाहें पीआईयू विभाग, और संबंधित निर्माण एजेंसी पर टिकी हैं। देखना होगा कि इन समस्याओं को दूर करने के लिए कब तक ठोस कदम उठाए जाते हैं और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। क्योंकि सवाल सिर्फ एक विद्यालय की व्यवस्थाओं का नहीं, बल्कि उन 1500 बच्चों के भविष्य और सुरक्षा का है, जिनके बेहतर भविष्य के सपने के साथ इस भवन का निर्माण किया गया था।



बच्चों के हाथों से बने दीपावली के सजावटी उत्पाद

कलेक्ट्रेट में सजे स्टॉल पर दिखी रचनात्मकता

दीये-कैंडल और रंग-बिरंगे तोरण के जरिए दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

कटनी ,यशभारत। कलेक्टर आशीष तिवारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में बाल गृह संस्थाओं के बच्चों द्वारा तैयार दीपावली के सजावटी उत्पादों की खरीदारी कर उनके हुनर को सम्मान और आत्मनिर्भरता के सपनों को नई उड़ान दी। इस स्टॉल में विभिन्न बाल गृह संस्थाओं के कर्मचारी उपस्थित रहे। मिशन वात्सल्य के तहत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों की प्रतिभा को मंच देने और उन्हें आर्थिक संबल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट के प्रवेश हॉल में लगे स्टॉल से कलेक्टर ने रंग-बिरंगे तोरण और कैंडल्स आदि हस्तनिर्मित सामग्री खरीदा और नगद भुगतान किया। यहां बच्चों द्वारा तैयार ग्लास कैंडल, वॉल हैंगिंग, झालर, सजावटी दीये और अन्य आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी एवं महिला सशक्तिकरण अधिकारी वनश्री कुर्वेती ने भी उत्पादों की खरीदारी कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। यह स्टॉल महज उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि बच्चों के हुनर को पहचान देने और उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाने का माध्यम बना। बच्चों की कलाकारी ने स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के साथ वोकल फॉर लोकल का संदेश भी दिया। इन नन्हे हाथों की बनाई सामग्री ने दीपावली की खुशियों में सम्मान, स्वाभिमान और आत्मविश्वास की रोशनी भी जोड़ दी।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला, पी.जी.इंफ्रास्टचर एंड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी देवास रोड,इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 22/1,पगनिसपागा पालसिकर कॉलोनी बालनिकेतन स्कूल के पास , इंदौर (म.प्र) 452007 से प्रकाशित | संपादक अम्बरीष तिवारी * प्रबंध संपादक अमरीश पचोरिया*,
सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No .MPHIN/26/A1896 फ़ोन - 9111201000 email - indoreyashbharat@gmail.com , (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समचार चयन के लिए जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)